www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, मंगलवार
11 अगस्त 2026
वर्षः 49
अंकः 100 पृष्ठः 6
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

चीन सीमा पर जलप्रलयः चंद सेकेंड में धराशायी हुआ लोहे का पुल

चमोली। उत्तराखंड में भारी बारिश के अलर्ट के बीच चीन सीमा पर अतिवृष्टि ने तबाही मचा दी। उफान पर आए तमक नाले में चीन सीमा को जोड़ने वाला बैली ब्रिज चंद सेकंड में धराशायी हो गया। वहीं, देखते ही देखते एक गाड़ी भी वहां खिलौने की तरह बह गई।

पुल बहने से नीती घाटी के 12 से अधिक सीमांत गांवों के साथ ही सेना और आईटीबीपी की चौकियों का संपर्क पूरी तरह कट गया है। हादसे में पुल के समीप काम कर रहा बीआरओ का एक कर्मचारी लापता बताया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमें मौके के लिए रवाना की गईं।

ज्योतिर्मठ से करीब 37 किलोमीटर आगे नीती घाटी में तमक नाले पर पिछले वर्ष नाला उफान पर आने से पक्का पुल बह गया था। इसके बाद यहां ह्यूम पाइप

डालकर अस्थायी रूप से आवाजाही कराई जा रही थी। करीब एक माह पहले ही बीआरओ ने यहां बैली ब्रिज तैयार किया था।

सोमवार सुबह तेज बारिश के बाद तमक नाला उफान पर आ गया था। पानी पुल तक पहुंचने के बाद कुछ देर में जलस्तर कम हुआ तो पुल से कचरा हटाकर आवाजाही बहाल करने का प्रयास किया गया लेकिन शाम करीब चार बजे नाला एक बार फिर अचानक उफान पर आ गया। इस बार पानी का वेग इतना अधिक था कि कुछ ही सेकंड में बैली ब्रिज पानी के तेज बहाव में बह गया।

पुल के समीप साइड पर काम कर रहा बीआरओ का एक कर्मचारी भी पानी की चपेट में आने के बाद लापता है। एसडीएम ज्योतिर्मठ चंद्रशेखर वशिष्ठ ने बताया कि ऊपरी क्षेत्र में अतिवृष्टि के कारण तमक नाला अचानक उफान पर आया जिससे बैली ब्रिज बह गया। पुल के समीप साइड पर काम कर रहे बीआरओ के एक कर्मचारी के लापता होने की सूचना है। एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमों को मौके पर भेजा गया है। क्षेत्र में आवाजाही जल्द सुचारु करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

उत्तराखंड में दो जगह कांपी धरती, उत्तरकाशी में लगे 4.2 के झटके

टिहरी में 2.0 रही तीव्रता

उत्तरकाशी उत्तराखंड के उत्तरकाशी और टिहरी गढ़वाल में सोमवार देर रात भूकंप के झटके महसूस किए गए। उत्तरकाशी में 4.2 तीव्रता का तेज झटका आया, जबकि टिहरी में 2.0 तीव्रता का हल्का भूकंप दर्ज हुआ। दोनों ही स्थानों पर जान-माल के किसी नुकसान की कोई सूचना नहीं है।

उत्तरकाशी में यमुना घाटी और गंगा घाटी सहित कई क्षेत्रों में भूकंप का तेज झटका महसूस किया गया। भूकंप का झटका इतना तेज था कि लोग तुरंत अपने घरों से बाहर आ गए।

उन्होंने अपने आसपास के लोगों को फोन कर भूकंप के बारे में पूछा। जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार, यह झटका देर रात करीब 1:21 बजे आया।

राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने इसकी तीव्रता 4.2 बताई है। भूकंप का केंद्र उत्तरकाशी जिले में था। इसकी गहराई करीब 10 किलोमीटर दर्ज की गई। केंद्र बडकोट तहसील मुख्यालय के नजदीक राजगढ़ी के आसपास बताया जा रहा है।

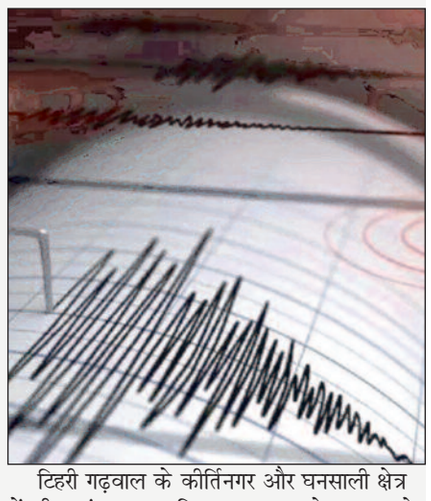

टिहरी गढ़वाल के कीर्तिनगर और घनसाली क्षेत्र में भी भूकंप महसूस किया गया। यह सोमवार तड़के आया और इसकी तीव्रता 2.0 थी। यह बहुत हल्का भूकंप था, जिसकी गहराई 5 किलोमीटर रही। जिले में इस भूकंप से किसी तरह के नुकसान की कोई सूचना नहीं मिली है।

संक्षिप्त समाचार

राम मंदिर चढ़ावा चोरी के विरोध में दिल्ली में जुटे साधू-संत

पीएम मोदी से की सख्त कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। अयोध्या राम मंदिर में हुए चढ़ावा चोरी के विरोध में देशभर से 100 से ज्यादा संत-महंत और महामंडलेश्वरों ने सोमवार को बाराखंबा रोड स्थित नेपाली दूतावास के पास एकत्रित होकर प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि हम यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मामले में शामिल लोगों पर कार्रवाई करने के लिए ज्ञापन सौंपने को इकट्ठे

हुए हैं। प्रदर्शन में ज्ञापन देने के लिए शामिल इंद्रप्रस्थ पीठ के संत जगद्गुरु स्वामी रामानुजाचार्य ने कहा कि हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग करते हैं कि ट्रस्ट में शामिल वे लोग जो भी मामले में संलिप्त हैं उनपर कार्रवाई कर जेल भेजा जाना चाहिए। इस कृत्य के चलते संतों को हेय दृष्टि से देखा जा रहा है। इससे सनातन धर्म को नुकसान हो रहा है। इसलिए किसी को भी बख्शा नहीं जाना चाहिए, न ही किसी को भी बचाया जाना चाहिए। पीएम आवास तक जाने की परमीशन नहीं होने के कारण सभी संतों को पुलिस ने मंडी हाउस से आगे नहीं जाने दिया गया।

मोहाली में छात्रा से 48 घंटे में 2 बार गैंगरेप

बेहोशी की हालत में फेंका, फ्रेंडशिप से मना किया था; पर्ची में आरोपी का नाम-मोबाइल नंबर मिला

मोहाली (एजेंसी)। मोहाली में 16 साल की छात्रा को किडनैप कर 48 घंटे में 2 बार गैंगरेप किया गया। एक आरोपी कई दिन से छात्रा से फ्रेंडशिप करने के लिए कह रहा था। छात्रा ने इनकार किया तो उसने अपने 2 और साथियों के साथ उसे स्कूल जाते वक्त कार में उठा लिया। फिर अज्ञात जगह पर ले जाकर

तीनों ने बारी-बारी से उसका रेप किया। फिर उसे घर के पास छोड़ दिया।

अगले दिन फिर उसी स्कूल टाइम में वह लड़की को उठा ले गए और फिर से गैंगरेप किया। इस बार उसे बेहोश हालत में ही गिफ्ट शॉप के पास फेंक गए। छात्रा ने किसी राहगीर से फोन लेकर घर पर फोन कर माता-पिता को उसे ले जाने के लिए कहा। बेहोशी और गैंगरेप की वजह से लड़की चल भी नहीं पा रही थी। इससे माता-पिता को पूरे मामले का पता चला। लड़की से पुलिस को आरोपी के फ्रेंडशिप के लिए दी गई पर्ची मिल गई है, जिसमें आरोपी ने अपना नाम व मोबाइल नंबर दिया है। फिलहाल आरोपियों पर केस दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज के जरिए आरोपियों की पहचान व तलाश की जा रही है।

विधानसभा परिसर के काफी करीब पहुंचे छात्र, बढ़ाई गई सुरक्षा

बैरिकेड तोड़ने पर पुलिस से झड़प

छात्रों का विधानसभा मार्च हुआ उग्र, छात्रों पर लाठीचार्ज, कई घायल, आंसू गैस के गोले दागे

बैरिकेडिंग तोड़ने की कोशिश, वाटर कैनन का इस्तेमाल

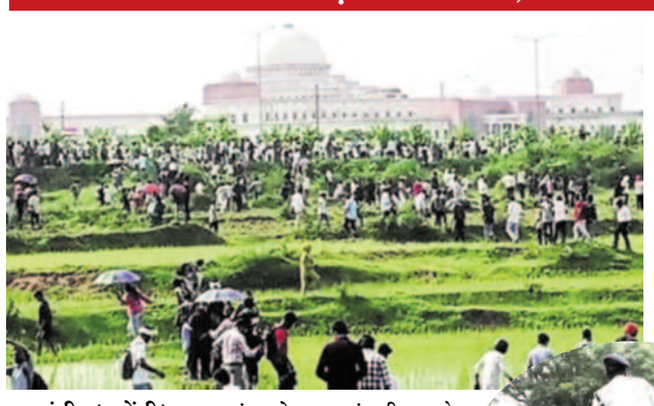

रांची (एजेंसी)। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) और भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ आंदोलन कर रहे छात्रों ने सोमवार को विधानसभा घेराव का ऐलान किया है। इस दौरान छात्रों ने पुलिस की बैरिकेडिंग तोड़ दी और विधानसभा की ओर बढ़ने लगे। छात्रों को रोकने के लिए पुलिस ने हल्का बल प्रयोग करते हुए लाठी चार्ज किया। झारखंड के रांची में जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षा में धांधली के खिलाफ हजारों की संख्या में छात्र विधानसभा के करीब पहुंच गए हैं। वहीं पर धरना शुरू कर दिया। इस दौरान कई बार पुलिस और छात्रों के बीच झड़प की नौबत आई। दो से तीन बार लाठीचार्ज करना पड़ा। इसमें कुछ छात्रों के सिर पर चोटे आई हैं। प्रदर्शनकारियों ने जवाब में पानी की बोतल और चप्पलें फेंकीं।

रांची में जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षा विवाद को लेकर विधानसभा घेराव कर रहे छात्रों ने पुलिस की बैरिकेडिंग को धता बताते हुए सुरक्षा घेरे को पार कर विधानसभा परिसर के काफी नजदीक तक पहुंचने का प्रयास किया। छात्रों की बड़ी संख्या में इस तरीके से आगे बढ़ने से मौके पर तनाव बढ़ गया। विधानसभा की सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों ने प्रदर्शनकारियों को रोकने की कोशिश की। अपनी मांगों को लेकर नारेबाजी करते हुए छात्र लगातार आगे बढ़ते रहे। सुरक्षा घेरे के करीब पहुंचने की लगातार कोशिश के कारण पुलिस के लिए स्थिति को काबू में रखना चुनौतीपूर्ण हो गया। मौके पर सुरक्षा बलों की अतिरिक्त तैनाती भी बढ़ा दी गई है।

हजारों की संख्या में छात्र सुबह 10 बजे ओल्ड विधानसभा के पास एकत्रित हुए और फिर विधानसभा के घेराव के लिए निकले। पुलिस ने इन्हें रोकने के लिए कंटीले तार की बैरिकेडिंग कर रखी थी। 6 लेयर की सुरक्षा व्यवस्था की गई है। सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जा रही है।

पुलिस ने जैसे ही वाटर कैनन का इस्तेमाल किया छात्र बैरिकेडिंग पर चढ़कर डांस करते नजर आए। कुछ छात्रों ने राष्ट्रगान गाया।

जेपीससी के पूर्व अध्यक्ष एल. खियांगते अरेस्ट

झारखंड में जेपीएससी और जेएसएससी भर्ती परीक्षाओं को लेकर चल रहे छात्र आंदोलन के बीच सोमवार को बड़ा एक्शन सामने आया है। झारखंड

सीआईडी ने झारखंड लोक सेवा आयोग के पूर्व चेयरमैन एल. खियांगते को गिरफ्तार कर लिया है। उनकी गिरफ्तारी ऐसे समय हुई है जब रांची में बड़ी संख्या में छात्र और अभ्यर्थी भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं और विधानसभा घेराव के लिए मार्च कर रहे हैं।

सात घंटे की पूछताछ के बाद गिरफ्तारी- गिरफ्तारी से पहले सीआईडी ने एल. खियांगते से करीब सात घंटे तक पूछताछ की थी। रिपोर्ट के मुताबिक, वह सुबह करीब 11 बजे जांच एजेंसी के सामने पेश हुए और शाम करीब 6 बजे तक उनसे पूछताछ चली।

पीएम मोदी से मिले एनसीपी-एसपी सांसद

चर्चा में महाराष्ट्र के सूखे-प्याज से नदी प्रदूषण तक मुद्दे उठे

नई दिल्ली (एजेंसी)। एनसीपी (एसपी) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले के नेतृत्व में पार्टी के सभी आठ लोकसभा सांसदों ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। करीब 15 मिनट चली बैठक में महाराष्ट्र से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। सांसदों ने पीएम के सामने कौन-कौन से मुद्दे रखे?

एनसीपी (शरद पवार गुट) की कार्यकारी अध्यक्ष और सांसद सुप्रिया सुले के नेतृत्व में पार्टी के सभी आठ लोकसभा सांसदों ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान महाराष्ट्र से जुड़े अलग-अलग मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक करीब 15 मिनट चली। सुप्रिया सुले ने बैठक के बाद कहा कि प्रधानमंत्री के साथ महाराष्ट्र के मुद्दों पर चर्चा हुई। सूत्रों के मुताबिक, सांसदों ने अपने-अपने संसदीय क्षेत्रों से जुड़े विषय प्रधानमंत्री के सामने रखे।

क्या सांसदों ने सूखा और प्याज की कीमतों का मुद्दा उठाया?

सूत्रों के अनुसार, एनसीपी (एसपी) सांसदों ने अपने क्षेत्रों से जुड़े कई मुद्दों पर प्रधानमंत्री से चर्चा की। इनमें सूखे की स्थिति, प्याज की कीमत और चंद्रभागा नदी में प्रदूषण जैसे विषय शामिल रहे। सांसदों ने अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों से संबंधित समस्याओं को बैठक में रखा।

क्या बैठक में एफसीआरए संशोधन विधेयक पर भी चर्चा हुई?

करीब 15 मिनट चली इस बैठक में विवादित एफसीआरए संशोधन विधेयक का मुद्दा नहीं उठा। सुप्रिया सुले मौजूदा स्वरूप में इस विधेयक का विरोध करती रही हैं। शनिवार को उन्होंने कहा था कि विदेशी फंडिंग को हमेशा संदेह की नजर से नहीं देखा जा सकता। उन्होंने केंद्र से विधेयक को वापस लेने या इसे संयुक्त संसदीय समिति यानी जेपीसी के पास भेजने की मांग की थी।

तौलकर बेच रहे नौकरी, वाटर कैनन पर रेन डांस

झारखंड पीएससी-एसएससी में धांधली के खिलाफ हजारों की संख्या में छात्र विधानसभा घेरने पहुंचे। इस दौरान कई जगह बैरिकेडिंग तोड़ी गई, तो कहीं बैरिकेडिंग पर छात्र चढ़ गए। कंटीले तार भी छात्रों को नहीं रोक पाए, वो इसे भी पार करके आगे बढ़े। प्रदर्शन के बीच छात्र की गांधीगिरी दिखी वो एक हाथ में गुलाब और एक में तिरंगा लेकर पहुंचा। वहीं कोई स्पाइडमैन तो कोई पुष्पा राज की स्टाइल में बात करते दिखा। छात्रों ने तिरंगा से लेकर फ्लैश मार्च तक निकाला। परीक्षा की धांधली रोकने पहुंचा स्पाइडरमैन। तौल कर नौकरी बेच रहे छात्र। वाटर कैनन पर छात्रों का रेन डांस हुआ। छात्रों ने गांधीगीरी की, गुलाब लेकर पहुंचे कई छात्र।

तमिलनाडु विधानसभा में कार्यक्रमों में पहले राज्य गीत 'तमिल थाई' गाने का प्रस्ताव

डीएमके-एआईएडीएमके ने दिया समर्थन

चेन्नई (एजेंसी)। सीएम विजय ने तमिलनाडु में कार्यक्रमों की शुरुआत में राज्य गीत 'तमिल थाई वाझथु' अनिवार्य रूप से गाने का प्रस्ताव रखा। शैक्षणिक संस्थानों, सरकारी दफ्तरों और अन्य सार्वजनिक संस्थानों में इसे लागू करने के प्रस्ताव को डीएमके,एआईएडीएमके और कांग्रेस ने समर्थन दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'तमिल थाई वाझथु' को राज्य में सर्वोच्च प्राथमिकता मिलनी चाहिए और इसके सम्मान से समझौता नहीं होगा। यह गीत 2021 में तमिलनाडु के राज्य गीत का आधिकारिक दर्जा पा चुका है। यह प्रस्ताव केंद्रीय गृह मंत्रालय की 9 जुलाई की टिप्पणी के बाद आया है।

उप्र में गंगा-यमुना समेत 10 नदियां खतरे के निशान से ऊपर, दिल्ली में झमाझम

मप्र में नाले में बही कार, 9 की मौत, बाड़मेर-बीकानेर में सड़कें डूबी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के राजगढ़ में निर्माणाधीन पुल पर भारी बारिश के बीच ईको वैन नाले में बह गई। वैन में 11 लोग सवार थे। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई। दो तैरकर बाहर निकल आए। तेज बारिश के कारण नाले का पानी पुल के ऊपर से बह रहा था। ड्राइवर को अधूरा पुल दिखाई नहीं दिया, जिससे वैन नाले में जा गिरी।

राजस्थान के जयपुर स्थित कानोता और झालावाड़ का कालीखाड़ डैम ओवरफ्लो हो गया है। झीकनी गांव के स्कूल में पानी भर गया। यहां फंसे 30 विद्यार्थियों को गांव के लोगों की मदद से रेस्क्यू किया गया। बीकानेर के श्रीडूंगरगढ़ में रविवार रात सड़कों पर 2 से 3 फीट तक पानी भर गया। बाड़मेर में भी सड़कें लबालब हो गईं। रेलवे स्टेशन, सब्जी मंडी, हॉस्पिटल रोड समेत प्रमुख इलाकों में 2 से 4 फीट तक पानी भर गया। कई जगह दुकानों और घरों में भी पानी घुस गया।

यूपी में गंगा-यमुना समेत 10 नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। फर्रुखाबाद-बिजनौर में गंगा नदी का पानी हाईवे के ऊपर बह रहा है। कई सड़कें डूब गई हैं। 40 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। लोग सड़कों पर टेंट लगाकर रह रहे हैं। काशी में सभी 84 घाटों को जोड़ने वाले रास्ते जलमग्न हो गए हैं। गंगा का पानी मणिकर्णिका घाट तक पहुंच गया है।

एमपी के राजगढ़ में निर्माणाधीन पुल से बही कार

राजगढ़ में निर्माणाधीन पुल से ईको कार बह गई। इसमें कुल 11 लोग सवार थे। 9 की मौत हो गई। दो लोग बाहर निकाल आए। हादसा पचोर-सारंगपुर रोड पर पड़ाना कस्बे में रविवार-सोमवार की दरमियानी रात हुआ। सूचना मिलते ही एसडीएम रोहित बम्होरे और एसडीओपी अरविंद सिंह मौके पर पहुंचे।

15 अक्टूबर तक किसी भी स्थिति में प्रदेश की सभी सड़कों को करें गड्ढामुक्त

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने समस्त जिलाधिकारियों के साथ की वर्चुअल बैठक

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को मुख्यमंत्री आवास से प्रदेश के समस्त जिलाधिकारियों के साथ वर्चुअल बैठक कर मानसून की स्थिति, चारधाम यात्रा, कांवड़ यात्रा, आपदा प्रबन्धन, जन-जन के द्वार कार्यक्रम, सत्यापन अभियान, गड्ढा मुक्त सड़के जैसे विभिन्न विषयों पर दिशा निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि मानसून समाप्त होते ही प्रदेशभर की सड़कों को गड्ढामुक्त करने का अभियान शुरू किया जाए। उन्होंने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिये कि अपने-अपने जिलों में सड़कों को गड्ढामुक्त करने के लिए विस्तृत कार्य योजना तैयार करते हुए समिति गठित करें और कार्यों की नियमित निगरानी सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि मानसून समाप्त होने के बाद 15 अक्टूबर तक किसी भी स्थिति में प्रदेश की सभी सड़कों को गड्ढामुक्त किया जाए। मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि मानसून के दृष्टिगत सतर्कता बढ़ाते हुए आपदा प्रबंधन तंत्र को पूरी तरह अलर्ट मोड पर रखा जाए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी अपने फोन चालू रखें और किसी भी परिस्थिति में संपर्क से बाहर न रहें। किसी भी तरह की अनहोनी से निपटने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं एवं तैयारियां सुनिश्चित की जाएं, ताकि मानसून के दौरान आमजन को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि मानसून के दौरान आपदा अथवा अत्यधिक वर्षा के कारण जहां-जहां सड़कें क्षतिग्रस्त हुई हैं, मार्ग अवरुद्ध या टूटे हैं तथा ड्रेनेज सिस्टम में किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न हुई है, उनका जिलाधिकारी स्तर पर विस्तृत विवरण तैयार किया जाए। उन्होंने कहा ऐसे स्थानों का चिन्हीकरण कर मानसून समाप्त होते ही क्षतिग्रस्त सड़कों, मार्गों एवं ड्रेनेज व्यवस्था के पुनर्निर्माण और मरम्मत कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शुरू किया जाए।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत राज्यभर में 5 वर्ष की अवधि पूर्ण कर चुकी एवं खराब स्थिति वाली सड़कों को चिन्हित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि ऐसी सड़कों की स्थिति का आकलन कर उनके डामरीकरण एवं सुधार के लिए काय योजना तैयार की जाए।

मुख्यमंत्री ने नंदा की चौकी पुल के एप्रोच रोड के पुनर्निर्माण कार्य का किया निरीक्षण

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को सहसपुर के भाऊवाला में आयोजित महिला संवाद एवं सम्मान कार्यक्रम से वापस लौटते समय प्रेमनगर स्थित नंदा की चौकी पुल के एप्रोच रोड के पुनर्निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने कार्यस्थल पर पहुंचकर पुनर्निर्माण की गुणवत्ता, सुरक्षा व्यवस्थाओं तथा यातायात संचालन की स्थिति का जायजा लिया और अधिकारियों से विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

उल्लेखनीय है कि नंदा की चौकी पुल का एप्रोच रोड क्षतिग्रस्त होने की सूचना मिलते ही राज्य सरकार ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित विभागों को तत्काल राहत एवं पुनर्निर्माण कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए थे। मुख्यमंत्री के निर्देशन में युद्धस्तर पर कार्य करते हुए एप्रोच रोड का पुनर्निर्माण मात्र 12 घंटे के भीतर पूर्ण कर लिया गया, जिससे क्षेत्र में यातायात व्यवस्था शीघ्र सामान्य हो सकी और आमजन को होने वाली असुविधा से राहत मिली। मुख्यमंत्री ने पुनर्निर्माण कार्य में सलंग्न अधिकारियों, अभियंताओं एवं कार्मिकों के त्वरित एवं समर्पित प्रयासों की सराहना भी की।

एक नजर

मृतक के परिजनों से मिले डीएम और एसएसपी

विकासनगर। कोतवाली सहसपुर क्षेत्र के ग्राम बैरागीवाला में हुई विनोद कश्यप की हत्या के बाद प्रशासन और पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया है। सोमवार को देहरादून के जिलाधिकारी आशीष चौहान और पुलिस कप्तान प्रमेन्द्र सिंह डोभाल मृतक के परिजनों से मुलाकात करने उनके घर पहुंचे। अधिकारियों ने परिजनों से घटना की जानकारी लेते हुए उन्हें हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। इस दौरान परिजनों ने घटना से जुड़ी अपनी बात अधिकारियों के समक्ष रखी और मामले में निष्पक्ष एवं कड़ी कार्रवाई की मांग की। डीएम और पुलिस कप्तान ने परिजनों को आश्वस्त किया कि मामले की जांच गंभीरता से की जा रही है और घटना के सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने पुलिस को भी मामले में प्रभावी जांच और कानून व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। बैरागीवाला में हुई इस वारदात के बाद क्षेत्र में भी तनाव और आक्रोश का माहौल बना हुआ है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

ग्रामीणों ने मधु चौहान का जताया आभार

देहरादून / चकराता। चकराता विधानसभा क्षेत्र के ग्राम उदावां के ग्रामीणों ने पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष एवं भाजपा नेत्री मधु चौहान से मुलाकात कर गांव की लंबे समय से चली आ रही सड़क की मांग को मुख्यमंत्री की घोषणा में शामिल कराने के लिए उनका आभार व्यक्त किया। ग्रामीणों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर मधु चौहान का स्वागत किया और सड़क के लिए किए गए प्रयासों के प्रति धन्यवाद जताया।

ग्रामीणों के अनुसार, जगथानझबुरायला मोटर मार्ग से ग्राम उदावां तक सड़क मार्ग लंबे समय से क्षेत्र की प्रमुख मांग रही है। सड़क सुविधा के अभाव में ग्रामीणों को आवागमन में परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इस मांग को पूरा कराने के लिए मधु चौहान द्वारा किए गए प्रयासों के बाद अब उक्त सड़क मार्ग को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के माध्यम से मुख्यमंत्री की घोषणा में शामिल किया गया है। इस मौके पर ग्रामीणों ने कहा कि उदावां गांव तक सड़क पहुंचना क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी। सड़क निर्माण होने से ग्रामीणों को आवागमन की सुविधा मिलने के साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और रोजगार से जुड़ी गतिविधियों को भी लाभ मिलने की उम्मीद है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क सुविधा किसी भी गांव के विकास की पहली आवश्यकता है और इसके निर्माण से गांव के विकास के नए रास्ते खुलेंगे। ग्रामीणों ने कहा कि जगथानझ बुरायला मोटर मार्ग से उदावां तक सड़क को मुख्यमंत्री घोषणा में शामिल कराने में मधु चौहान के विशेष प्रयास महत्वपूर्ण रहे हैं। इसके लिए ग्रामवासियों ने उनका हृदय से आभार व्यक्त किया।

हरिपुर में मां यमुना की प्रतिमा स्थापना को लेकर बढ़ा विवाद

देहरादून/कालसी। हरिपुर घाट में पुराने पुल के पिलर पर मां यमुना की प्रतिमा स्थापित करने को लेकर शुरू हुआ विवाद अब लगातार गहराता जा रहा है। प्रतिमा स्थापना के विरोध में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष एवं भाजपा नेता रामशरण नौटियाल के धरने पर बैठने के बाद मामले ने नया मोड़ ले लिया है। लोक पंचायत की ओर से प्रेस वार्ता कर 15 दिन का अल्टीमेटम दिए जाने के बाद क्षेत्र के ग्राम गास्की निवासी युवा नेता गजेंद्र सिंह तोमर ने लोक पंचायत से जुड़े एक पदाधिकारी के खिलाफ शिकायत देकर पुराने पुल के पिलर को बिना अनुमति तोड़े जाने के मामले में कार्रवाई की मांग की। इसके बाद जौनसारी जनजाति कर्मचारी कल्याण समिति, देहरादून ने रविवार को बैठक कर पूरे घटनाक्रम पर चर्चा की और गजेंद्र सिंह तोमर की शिकायत को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए इसकी निंदा की।

शिकायत को लेकर समिति में आक्रोश

समिति की बैठक अध्यक्ष जगत सिंह चौहान की अध्यक्षता में हुई। समिति के अनुसार, हरिपुर में मां यमुना की प्रतिमा स्थापना को लेकर सामाजिक एवं सांस्कृतिक स्तर पर कार्य किया जा रहा था। इसी दौरान पुराने पुल के पिलर/खूंटी को लेकर विवाद खड़ा हुआ।

समिति का कहना है कि जिस पुराने पिलर को तोड़े जाने की बात कही जा रही है, वह करीब 50 वर्ष पूर्व सरकार द्वारा खंडित किया जा चुका था और उसके अवशेष मौके पर मौजूद थे। समिति से जुड़े सदस्यों द्वारा श्रमदान के माध्यम से उसके पुनरोद्धार का कार्य किया जा रहा था।

एसएसपी को दिया जाएगा ज्ञापन

बैठक में समिति ने निर्णय लिया कि मामले की वास्तविक स्थिति से एसएसपी देहरादून को ज्ञापन देकर अवगत कराया जाएगा।

जनता मिलन में एडीएम ने सुनी आमजन की समस्याएं

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश की अध्यक्षता में सोमवार को जिला सभागार गोपेश्वर में जनता मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने अपनी समस्याएं एवं शिकायतें अपर जिलाधिकारी के समक्ष रखीं। जनता मिलन में कुल 37 शिकायतें एवं समस्याएं प्राप्त हुईं। अपर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए नियमानुसार त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए।

जनता मिलन में गोपेश्वर निवासी शांति देवी ने जंगली जानवरों द्वारा खेती को नुकसान पहुंचाए जाने की समस्या रखी। इस पर अपर जिलाधिकारी ने मुख्य कृषि अधिकारी को क्षेत्र का परीक्षण कर आवश्यकतानुसार तारबाड़ की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सैंजी निवासी बख्तारी लाल ने प्रधानमंत्री आवास योजना से संबंधित समस्या रखी। अपर जिलाधिकारी ने खंड विकास अधिकारी को प्रकरण का परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जोशीमठ निवासी जसवंत लाल ने मैठाणा में स्मृति गेट के पुनर्निर्माण की मांग रखी। इस पर अपर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारी को आवश्यक प्रस्ताव तैयार कर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके अलावा गीता देवी, देवी जोशी, कुसुम देवी, सोहन लाल, राजेंद्र सिंह, बृज लाल सहित अन्य लोगों ने भी अपनी विभिन्न समस्याएं एवं शिकायतें रखीं। अपर जिलाधिकारी ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्रत्येक प्रकरण पर आवश्यक कार्रवाई करते हुए शिकायतकर्ताओं को समयबद्ध रूप से राहत उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि जनता मिलन में प्राप्त शिकायतों को किसी भी स्तर पर अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए। अधिकारी प्रत्येक प्रकरण का मौके पर परीक्षण करते हुए नियमानुसार शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करें। इस मौके पर उपजिलाधिकारी राज कुमार पांडे, मुख्य चिकित्साधिकारी राजीव पाल, मुख्य कृषि अधिकारी जय प्रकाश तिवारी, जिला पर्यटन विकास अधिकारी अरविंद गौड़ सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी व आमजन उपस्थित रहे।

कुंजवाल ने थामा उक्रांद का दामन

अल्मोड़ा। उत्तराखंड में वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। इसी बीच अल्मोड़ा जिले की जागेश्वर विधानसभा सीट से कांग्रेस के लिए एक महत्वपूर्ण राजनीतिक झटका सामने आया है। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं पांच बार विधायक रहे वरिष्ठ कांग्रेस नेता गोविंद सिंह कुंजवाल के भतीजे दिनेश सिंह कुंजवाल ने कांग्रेस का साथ छोड़कर उत्तराखंड क्रांति दल (उक्रांद) की सदस्यता ग्रहण कर ली है।

अगस्त क्रांति दिवस के अवसर पर जैंती में आयोजित कार्यक्रम में दिनेश सिंह कुंजवाल ने बड़ी संख्या में समर्थकों और कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में उक्रांद का दामन थामा। उनके इस कदम को आगामी विधानसभा चुनाव से पहले जागेश्वर क्षेत्र की राजनीति में महत्वपूर्ण घटनाक्रम के रूप में देखा जा रहा है।

कांग्रेस में प्रदेश प्रवक्ता की जिम्मेदारी भी संभाली

दिनेश सिंह कुंजवाल वर्तमान में कांग्रेस में किसी संगठनात्मक पद पर नहीं थे, लेकिन इससे पहले वह पार्टी में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभा चुके हैं। वर्ष 2002 से 2007 तक उन्होंने कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता के रूप में कार्य किया। इसके अलावा पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत के नेतृत्व वाली सरकार के दौरान उन्हें दर्जा मंत्री की जिम्मेदारी भी मिली थी।

मानसून का कहर: तीन मकान ध्वस्त, कई घरों में घुसा पानी

देहरादून। राजधानी देहरादून में मानसून की लगातार बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। रविवार देर रात से सोमवार सुबह तक हुई भारी बारिश के चलते शहर के कई हिस्सों में जलभराव की स्थिति पैदा हो गई। नदी-नाले उफान पर आ गए और निचले इलाकों में बारिश का पानी घरों तक पहुंच गया। कारगी क्षेत्र के चानचक में नदी किनारे स्थित तीन मकान ध्वस्त होने से हड़कंप मच गया। वहीं चंद्रबनी समेत आसपास के कई इलाकों में पानी सड़कों पर बहने लगा और कई घरों में पानी घुस गया।

चानचक में नदी किनारे तीन मकान ध्वस्त

लगातार बारिश के बीच कारगी क्षेत्र के चानचक में नदी के किनारे बने तीन मकान ध्वस्त हो गए। मकानों के गिरने की सूचना से क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। नदी का जलस्तर बढ़ने के कारण आसपास रहने वाले लोगों में भी दहशत फैल गई। नदी किनारे रहने वाले लोग लगातार बढ़ते जलस्तर को लेकर चिंतित नजर आए।

चंद्रबनी में सड़कों पर बहा बारिश का पानी

भारी बारिश का असर चंद्रबनी क्षेत्र में भी देखने को मिला। यहां बारिश का पानी सड़कों पर बहने लगा और कई स्थानों पर जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई।

आउटसोर्स कर्मी बीडीसी सदन में, पत्रकारों को औपचारिक निमंत्रण तक नहीं..

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : कल्जीखाल ब्लॉक की बीडीसी में भी अजब गजब रंग देखने को मिल रहे हैं। एक ओर विकासखण्ड के इस सबसे बड़े सदन की महत्वपूर्ण त्रैमासिक बैठक की औपचारिक सूचना क्षेत्र के स्थापित पत्रकारों व अन्य मीडिया से जुड़े व्यक्तियों को देने की जहमत ब्लॉक प्रशासन द्वारा नहीं उठाई जा रही है। वहीं सदन की गरिमा का भी लगातार ह्रास किया जा रहा है।

विकासखण्ड कार्यालय द्वारा बड़े शातिराना तरीके पत्रकारों को इस बैठक से दूर रखा जा रहा है। विकासखण्ड कार्यालय द्वारा न दूरभाष से और न ही लिखित रूप से क्षेत्र के स्थापित पत्रकारों को सूचना तक नहीं दी जा रही है। वरिष्ठ पत्रकार जगमोहन डांगी, अजय रावत अजेय व विक्रम पटवाल आदि ने संयुक्त रूप से बयान जारी करते हुए अंदेशा व्यक्त किया है कि ब्लॉक प्रशासन के इस रवैय्ये से साफ लगता है कि कहीं न कहीं दाल में कुछ काला है जो मीडिया को दूर रखने का प्रयास हो रहा है। वहीं बीडीसी सदन में नजर डालें तो सदन की गरिमा के साथ खुले आम खिलवाड़ किया जा रहा है। सदस्यों के बैठने के सिस्टम से लेकर अधिकारियों व मीडिया कर्मियों के बैठने का कोई तय प्रोटोकॉल सदन में नजर नहीं आता। करोड़ों की लागत से बने सभाकक्ष में ऐसी विसंगतियों से ब्लॉक प्रशासन की नीयत व गंभीरता पर सवालिया निशान लगना स्वाभाविक है। वहीं सदन में जहां अनेक विभगों द्वारा चतुर्थ श्रेणी के कर्मियों को प्रतिनिधि के रूप में भेजा जा रहा है। वहीं वीबी-जीरामजी, पंचायती राज व ई-डिस्ट्रिक्ट जैसे विभागों में तैनात कॉन्ट्रैक्ट व आउटसोर्स कर्मी खुले आम इन बैठकों के दौरान सदन में बैठे हुए हैं।

चकराता में भाजपा को झटका!

देहरादून। विधानसभा चकराता क्षेत्र में कांग्रेस ने भाजपा को बड़ा झटका देने का दावा किया है। सोमवार को यमुना कॉलोनी देहरादून स्थित प्रीतम सिंह के आवास पर आयोजित कार्यक्रम में विकासखंड कालसी के अंतर्गत आने वाले ग्राम उदपाल्टा, उपरौली और व्यास नहरी के कई लोगों ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। कांग्रेस की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, ग्राम उदपाल्टा से राजेंद्र शर्मा, रणवीर राय और नीटू राय, ग्राम उपरौली से पूर्व प्रधान दयाराम शर्मा, पूर्व प्रधान अम्मू दास, सुनील शर्मा, घेमा दास और मटेरू दास, जबकि व्यास नहरी से महावीर खन्ना ने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

इस दौरान पार्टी नेताओं ने नए सदस्यों का कांग्रेस परिवार में स्वागत किया। कांग्रेस की ओर से कहा गया कि भाजपा की जनविरोधी नीतियों से त्रस्त होकर उक्त लोगों ने कांग्रेस की नीतियों एवं नेतृत्व में आस्था व्यक्त करते हुए पार्टी का दामन थामा है।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि चकराता विधानसभा क्षेत्र में लगातार लोगों का कांग्रेस के प्रति विश्वास मजबूत हो रहा है। गांव-गांव से लोग कांग्रेस की विचारधारा से जुड़ रहे हैं, जिससे आने वाले समय में संगठन को और मजबूती मिलेगी।

गांवों में राजनीतिक समीकरणों पर चर्चा तेज

एक साथ तीन गांवों से लोगों के कांग्रेस में शामिल होने के बाद चकराता क्षेत्र की स्थानीय राजनीति में भी चर्चाएं तेज हो गई हैं। खासतौर पर उपरौली गांव से पूर्व प्रधानों समेत कई लोगों के कांग्रेस में शामिल होने को स्थानीय राजनीतिक समीकरणों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

कांग्रेस समर्थकों ने इस घटनाक्रम को आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच पार्टी के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया है।

पुलिस ने तीन जुआरियों को दबोचा

पुलिस के अनुसार रविवार को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ढकरानी स्थित गौहर वाली गली में पेड़ के नीचे कुछ लोग जुआ खेल रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने करीब शाम 4:10 बजे मौके पर दबिश दी। पुलिस को देखकर वहां जुआ खेल रहे लोगों में हलचल मच गई, लेकिन टीम ने घेराबंदी कर तीन लोगों को मौके से पकड़ लिया।

विकासनगर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून के निर्देश पर जनपद में आपराधिक गतिविधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली विकासनगर पुलिस ने सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेल रहे तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 1,460 रुपये नकद और 52 ताश के पत्ते बरामद किए हैं।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान फरीद पुत्र मंजूला, निवासी वार्ड नंबर-5 ढकरानी, राकेश पुत्र विश्वनाथ, निवासी गुडरिच चाय बगीचा, विकासनगर तथा सरीफ पुत्र सबारती, निवासी वार्ड नंबर-7 ढकरानी के रूप में हुई है।

विधायक संजय डोभाल ने सरकार और जिला प्रशासन के खिलाफ खोला मोर्चा

उत्तरकाशी,जिला योजना 2026 के प्रस्तावों को लेकर यमुनोत्री विधायक संजय डोभाल ने सरकार और जिला प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। विधायक ने जिला योजना में जनप्रतिनिधियों द्वारा दिए गए जनहित के प्रस्तावों की कथित अनदेखी और योजनाओं के चयन की प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

उन्होंने प्रशासन को निर्धारित समय में जिला योजना में जनभावनाओं के अनुरूप संशोधन करने का अल्टीमेटम देते हुए आंदोलन की चेतावनी दी है। विधायक का कहना है कि जिला योजना के तहत प्रभारी मंत्री एवं जिलाधिकारी उत्तरकाशी की मौजूदगी में करीब 75 करोड़ रुपये की धनराशि विभिन्न विकास योजनाओं के लिए आवंटित की गई है। पूर्व में जिला योजना में जिले के विधायकों, जिला पंचायत अध्यक्ष, प्रभारी मंत्री, जिलाधिकारी और अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा दिए गए जनहित के प्रस्तावों के आधार पर योजनाओं को प्राथमिकता दी जाती रही है। लेकिन इस बार प्रस्तावों को सूची में शामिल किए जाने को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।

यमुनोत्री के प्रस्तावों की अनदेखी का आरोप

विधायक संजय डोभाल ने आरोप लगाया कि यमुनोत्री विधानसभा क्षेत्र से विकास योजनाओं के प्रस्ताव मांगे गए थे। उनके द्वारा भेजे गए प्रस्तावों में से कुछ चुनिंदा योजनाओं को ही जिला योजना की सूची में स्थान दिया गया, जबकि बड़ी संख्या में विकास योजनाओं को दरकिनार कर दिया गया। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि प्रस्तावों में कोई कमी, बजट संबंधी समस्या अथवा अन्य आपत्ति थी तो इसकी जानकारी संबंधित जनप्रतिनिधियों को पहले क्यों नहीं दी गई। विधायक ने प्रभारी मंत्री से यह भी सवाल किया कि यमुनोत्री क्षेत्र के प्रस्ताव किस आधार पर जिला योजना से बाहर किए गए और स्वीकृत योजनाओं को किस स्तर की संस्तुति के बाद अंतिम रूप दिया गया।

यह सिर्फ एक विधायक का नहीं, पूरी व्यवस्था का सवाल

विधायक ने कहा कि यदि सत्ता पक्ष के जनप्रतिनिधियों के प्रस्ताव भी बड़ी संख्या में दरकिनार किए गए हैं तो मामला किसी एक दल या विधायक तक सीमित नहीं है। यह जिला योजना की पूरी कार्यप्रणाली और प्रस्तावों के चयन की पारदर्शिता पर सवाल खड़ा करता है।

पूरी प्रक्रिया सार्वजनिक करने की मांग

संजय डोभाल ने सरकार और जिला प्रशासन से जिला योजना की पूरी प्रक्रिया की निष्पक्ष समीक्षा कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि जनता के सामने यह स्पष्ट होना चाहिए कि कौन-सा प्रस्ताव किस जनप्रतिनिधि ने दिया।

उसकी संस्तुति किस स्तर से हुई और उसे किस आधार पर स्वीकृति प्रदान की गई।

विधायक ने कथित तौर पर विकास कार्यों को स्वीकृति दिलाने के नाम पर ग्रामीणों से धनराशि एकत्र किए जाने की शिकायतों का भी उल्लेख किया और पूरे मामले की जांच की मांग उठाई।

आबादी के बीच दिन दहाड़े घूम रहा गुलदार

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कोटद्वार शहर में गुलदार की सक्रियता लगातार बढ़ती जा रही है। अब गुलदार दिन के उजाले में भी आबादी के बीच घूमता नजर आ रहा है। बुद्धा पार्क के समीप घूम रहे गुलदार की तस्वीर पास के एक होटल में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। दिन दहाड़े गुलदार की मौजूदगी सामने आने के बाद आसपास रहने वाले लोगों में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि लगातार शिकायतों के बावजूद वन विभाग की ओर से समस्या के स्थायी समाधान के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए जा रहे हैं।

कोटद्वार में जंगल से सटे आबादी वाले क्षेत्रों में पिछले कुछ समय से गुलदार की आवाजाही बढ़ी है। शहर के अलग-अलग मोहल्लों में गुलदार की मौजूदगी दर्ज होने से लोगों की चिंता बढ़ती जा रही है। कुछ दिन पूर्व हरेंद्र नगर क्षेत्र में भी गुलदार घरों के आसपास घूमता दिखाई दिया था। इसकी तस्वीरें घरों के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई थीं। इसके बाद वन विभाग ने क्षेत्र में गश्त बढ़ाई, जिससे कुछ

कोटद्वार के घराट-कण्वाश्रम मार्ग पर हाथी सुरक्षा दीवार के ऊपर बैठा गुलदार

समय के लिए गुलदार की गतिविधियां कम हुईं, लेकिन अब एक बार फिर उसकी सक्रियता सामने आ रही है। बुद्धा पार्क के समीप दिन में गुलदार के दिखाई देने से लोगों में भय है। स्थानीय लोगों के अनुसार गुलदार क्षेत्र में घूमने वाले स्ट्रीट डॉग्स के साथ ही पालतू कुत्तों को भी निशाना बना रहा है। इससे आबादी के बीच गुलदार के और अधिक नजदीक आने की आशंका बनी हुई है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते गुलदार को आबादी से दूर नहीं किया गया तो मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटना से इंकार नहीं किया जा सकता। शहर के शिवपुर क्षेत्र में कुछ दिन पूर्व गुलदार ने छत पर बैठी महिला पर हमला कर दिया था। वहीं सनेह क्षेत्र में भी गुलदार के हमले में एक महिला घायल हुई थी। इसके अलावा नजीबाबाद रोड, सूर्या नगर और आसपास के अन्य क्षेत्रों में भी गुलदार की आवाजाही की सूचना लगातार सामने आ रही है। उधर, घराट-कण्वाश्रम मार्ग पर भी गुलदार की मौजूदगी ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। गुलदार कई बार हाथी सुरक्षा दीवार के ऊपर बैठा दिखाई देता है। इस मार्ग से सुबह-शाम बड़ी संख्या में लोग आवाजाही करते हैं। ऐसे में मार्ग पर गुलदार की मौजूदगी लोगों के लिए खतरे का कारण बनी हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि उन्होंने गुलदार की लगातार बढ़ रही सक्रियता को लेकर वन विभाग से कई बार शिकायत की है। लोगों ने वन विभाग से संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित गश्त बढ़ाने, गुलदार की निगरानी के लिए कैमरा ट्रैप लगाने और जरूरत के अनुसार पिंजरे लगाने की मांग की है। लोगों का कहना है कि वन विभाग को किसी अप्रिय घटना का इंतजार करने के बजाय समय रहते प्रभावी कार्रवाई करनी चाहिए।

सनेह मार्ग पर आवागमन हुआ बंद

सिद्धबली-सनेह मार्ग पर रविवार को गुलदार ने सुबह की सैर कर रहे एक बुजुर्ग पर हमला कर दिया था। जिसके बाद क्षेत्र में लगातार गुलदार की धमक बनी हुई है। शाम ढलते ही लोगों का घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया है। सुरक्षा को देखते हुए वन विभाग ने मार्ग पर सुबह व शाम के समय लोगों के आवागमन को रोक दिया है।

पटरी पर लौटने लगी श्रीनगर डिपो की कमाई

जयन्त प्रतिनिधि। श्रीनगर गढ़वाल : बरसात के कारण घटी यात्रियों की संख्या से प्रभावित परिवहन निगम के श्रीनगर डिपो की कमाई अब धीरे-धीरे पटरी पर लौटने लगी है। एनआईटी और गढ़वाल केंद्रीय विवि में चल रही प्रवेश काउंसलिंग के कारण बाहर से आने वाले छात्र और उनके अभिभावक रोडवेज बसों का उपयोग कर रहे हैं। साथ ही रूट बदलाव से डिपो की आय में सुधार हो रहा है। एनआईटी और गढ़वाल विवि में प्रवेश प्रक्रिया शुरू होने से छात्रों व अभिभावकों की आवाजाही बढ़ी है जिससे बसों में यात्रियों की संख्या बेहतर हुई है। वहीं कांवड़ यात्रा के कारण हरिद्वार जाने वाली बसें फिलहाल मोतीचूर तक संचालित हो रही हैं। इसके अलावा श्रीनगर से दिल्ली और चंडीगढ़ जाने वाली तीन बस सेवाएं तथा शाम की दिल्ली बस सेवा देहरादून होकर चलाई जा रही है, जिससे देहरादून के यात्रियों को अधिक विकल्प मिलने के साथ इन बसों में यात्री भार भी बढ़ा है। वहीं डिपो प्रभारी अशोक काला ने बताया कि काउंसलिंग के कारण यात्रियों की संख्या बढ़ने से डिपो की आय में वृद्धि हुई है।

सैकड़ों महिलाओं से लाखों रुपये लेकर महिला फरार

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भाबर क्षेत्र के घमंडपुर में एक महिला पर सैकड़ों महिलाओं से लाखों रुपये उधार लेने के बाद फरार होने का आरोप लगा है। महिला के अचानक घर से गायब होने और मोबाइल फोन बंद मिलने के बाद परेशान महिलाओं ने सोमवार को कोतवाली पहुंचकर पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

सोमवार को घमंडपुर क्षेत्र की कई महिलाएं कोतवाली पहुंचीं और पुलिस को तहरीर दी। महिलाओं ने बताया कि घमंडपुर निवासी उक्त महिला ने उनसे अलग-अलग समय पर लाखों रुपये उधार लिए थे। महिलाओं के अनुसार उन्होंने भरोसे के आधार पर महिला को ऑनलाइन माध्यम से रकम उपलब्ध कराई थी। उन्हें उम्मीद थी कि निर्धारित समय पर उनकी रकम वापस कर दी जाएगी। महिलाओं ने पुलिस को बताया कि कुछ दिन पूर्व उन्हें जानकारी मिली कि संबंधित महिला अपने घर पर ताला लगाकर कहीं चली गई है। इसके साथ ही उसका मोबाइल फोन भी बंद आ रहा है। महिलाओं ने महिला से संपर्क करने के लिए लगातार प्रयास किए, लेकिन कोई संपर्क नहीं हो पाया। इसके बाद उन्हें आशंका है कि महिला उनकी रकम लेकर कहीं फरार हो गई है। महिलाओं ने पुलिस से पूरे मामले की जांच कर उनकी रकम वापस दिलाने और आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। शिकायत के बाद पुलिस ने मामले से जुड़े तथ्यों और लेनदेन की जानकारी जुटानी शुरू कर दी है। कोतवाली प्रभारी प्रदीप नेगी ने बताया कि महिलाओं की ओर से तहरीर दी गई है। तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

'हर घर तिरंगा' के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का किया आह्वान

जयन्त प्रतिनिधि। थलीसैण : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय थलीसैण में सोमवार को नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं के लिए विभिन्न जागरूकता एवं अभिविन्यास कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को सामाजिक उत्तरदायित्व, नशामुक्ति, मानव सेवा तथा राष्ट्रभक्ति से जुड़े अभियानों के प्रति जागरूक किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। प्रभारी प्राचार्य डॉ. विमल कुकरेती के संरक्षण एवं डॉ. प्रमिला के कुशल संचालन में आयोजित कार्यक्रम में एनएसएस प्रभारी डॉ. बचन सिंह बिष्ट द्वारा छात्र-छात्राओं को 'नमामि गंगे' की कैप एवं टी-शर्ट वितरित की गईं। उन्होंने विद्यार्थियों को एनएसएस के उद्देश्यों, गतिविधियों तथा समाज एवं राष्ट्र के प्रति स्वयं सेवकों के उत्तरदायित्वों से अवगत कराया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को 'हर घर तिरंगा अभियान' के संबंध में भी जानकारी दी गई। छात्र-छात्राओं को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने घरों एवं आसपास के क्षेत्र में तिरंगा फहराने, राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करने के लिए प्रेरित किया गया। विद्यार्थियों से अभियान में सक्रिय भागीदारी करते हुए 'हर घर तिरंगा' के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम प्रभारी डॉ. हरिओम रावत ने नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं को नशे के दुष्प्रभावों एवं इसके कारण होने वाली सामाजिक एवं व्यक्तिगत समस्याओं की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ, सकारात्मक एवं अनुशासित जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन प्रभारी डॉ. प्रदीप कुमार ने किया। उन्होंने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को रेड क्रॉस की स्थापना, उद्देश्यों, गतिविधियों तथा आपदा एवं संकट की परिस्थितियों में मानव सेवा के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को समाजसेवा एवं मानवीय मूल्यों से जुड़कर कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

देशभक्ति के जोश में निकाली गई तिरंगा यात्रा, भारत माता के जयकारों से गूंजा पौड़ी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : सोमवार को देशभक्ति के रंग में डूबी नजर आई। शहर में निकाली गई तिरंगा यात्रा में पूर्व मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत व कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत के साथ बड़ी संख्या में आम लोग, युवा और बच्चे शामिल हुए। हाथों में तिरंगा लेकर निकले लोगों में देशभक्ति का उत्साह देखते ही बन रहा था। यात्रा के दौरान भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारों से पूरा माहौल गूंज उठा।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत सोमवार को जिला मुख्यालय व पाबौ में तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस दौरान तिरंगे के साथ छात्र-छात्राओं, जनप्रतिविधियों व आम लोगों के साथ पूरा शहर राष्ट्रीय ध्वज के रंगों में नजर आया। शहर के डीएवी इंटर कॉलेज से तिरंगा यात्रा शुरू होकर रामलीला मैदान पहुंची। पूर्व मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत व कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने यात्रा की अगुवाई की। वहीं विकासखंड पाबौ में हर घर तिरंगा अभियान के तहत यात्रा निकाली गई। मंत्री डॉ. रावत सहित स्थानीय लोगों, जनप्रतिनिधियों व युवाओं ने बढ़ चढ़कर प्रतिभाग किया। तिरंगा यात्रा में शामिल मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान है। हाथ में तिरंगा आते ही मन में देश के प्रति गौरव और सम्मान का भाव पैदा होता है। उन्होंने कहा कि जब देशवासी एक साथ भारत माता की जय और वंदे मातरम का उद्घोष करते हैं, तो राष्ट्रभक्ति की भावना और मजबूत होती है। इस मौके पर विधायक राजकुमार पोरी, भाजपा जिलाध्यक्ष कमल किशोर रावत, ब्लॉक प्रमुख अस्मिता नेगी, पूर्व विधायक मुकेश कोली, पूर्व पालिका अध्यक्ष यशपाल बेनाम, सीईओ अत्रेश सयाना, बीईओ मास्टर आदर्श आदि मौजूद रहे।

सावन के आखिरी सोमवार को शिवालयों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

श्रीनगर गढ़वाल : सावन के आखिरी सोमवार को शिवालयों में जलाभिषेक करने को कांवड़ियों और श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। मंदिरों में कांवड़ियों ने तड़के चार बजे से ही जलाभिषेक करना शुरु कर दिया। सुबह के समय मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ काफी बढ़ गई। मंदिरों के बाहर तक लम्बी-लम्बी लाइनें लग गईं। लाइनों में लगकर श्रद्धालुओं ने बारी-बारी से शिवलिग पर जलाभिषेक किया। शिव भक्तों ने भोले के जमकर जयकारे लगाए। घंटों की ध्वनि और भोले के जयकारों से मंदिर परिसर पूरे दिन गूंजते रहे। इस दौरान शिवालयों में भंडारे भी हुए, जिसमें काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

भारत-अमेरिका मुक्त व्यापार समझौते पर किसान सभा ने जताई चिंता

एसडीएम के माध्यम से राज्यपाल को भेजा ज्ञापन, किसानों के हित में कई मांगें उठाईं

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : अखिल भारतीय किसान सभा की जिला इकाई ने भारत-अमेरिका मुक्त व्यापार समझौते को लेकर चिंता जताते हुए कहा कि इससे देश में कृषि क्षेत्र का संकट और गहरा सकता है। सभा ने आशंका व्यक्त की कि समझौते का सबसे अधिक असर छोटे और मझौले किसानों पर पड़ेगा और उन्हें आर्थिक संकट का सामना करना पड़ सकता है। किसान सभा ने देशहित में अमेरिका के साथ किए जा रहे सभी प्रकार के व्यापार समझौतों को रद्द करने की मांग की है।

सोमवार को किसान सभा के जिला सचिव आशुतोष चंद्र के नेतृत्व में संगठन के सदस्य तहसील परिसर पहुंचे। यहां उन्होंने उपजिलाधिकारी संदीप कुमार के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन में कहा गया कि वर्तमान में भारत और अमेरिका के बीच मुक्त व्यापार समझौते को लेकर प्रक्रिया चल रही है। किसान सभा का कहना है कि यह समझौता देश के कृषि हितों के अनुकूल नहीं है। इससे कृषि उपज के बाजार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने के साथ ही किसानों की आय पर भी असर पड़ सकता है। किसान सभा ने सभी फसलों पर गारंटी के साथ न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को कानूनी अधिकार देने की मांग की। इसके साथ ही किसान आत्महत्या के मामलों में मृतक किसानों के स्वजन और दिहाड़ी मजदूरी करने वाले श्रमिकों के परिवारों को 25 लाख रुपये मुआवजा देने की मांग उठाई गई। ज्ञापन में

कोटद्वार में एसडीएम संदीप कुमार को ज्ञापन सौंपते अखिल भारतीय किसान सभा के सदस्य।

मनरेगा को बहाल करने के साथ ही वर्षभर में कम से कम 200 दिन रोजगार उपलब्ध कराने और मजदूरी बढ़ाकर 700 रुपये प्रतिदिन किए जाने की मांग भी की गई। किसान सभा ने बिजली निजीकरण विधेयक-2025 और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम संशोधन विधेयक को वापस लेने की मांग की। इसके अलावा चार श्रमिक संहिताओं को रद्द करने, जबरन भूमि अधिग्रहण पर रोक लगाने और उत्तराखंड के किसानों को जंगली जानवरों के आतंक से निजात दिलाने की मांग भी ज्ञापन में शामिल की गई। किसान सभा ने प्रत्येक वृद्ध किसान को 10 हजार रुपये मासिक पेंशन देने की मांग भी उठाई। इस मौके पर वीरेंद्र सिंह, बचन सिंह, मदन सिंह, कमलजीत, गजेंद्र सिंह, विमला और रामेश्वरी देवी सहित किसान सभा के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

पैरावेटों ने बांह पर काली पट्टी बांध कर जताया विरोध

उत्तरकाशी /नौगांव। पैरावेट वेलफेयर एसोसिएशन उत्तराखंड ने प्रशिक्षित पैरावेट कर्मियों की दस सूत्री मांगों को लेकर प्रदेशव्यापी कार्यबहिष्कार जारी रखा है। सोमवार को आंदोलन सातवें दिन भी जारी रहा। वहीं, नौगांव ब्लॉक के विभिन्न गांव में पशुपालन विभाग के साथ मिलकर कार्य कर रहे पैरावेटों ने बांह पर काली पट्टी बांधकर विरोध जताया। एसोसिएशन ने न्यूनतम 25 हजार मानदेय, विभाग में समायोजन, बीमा, भर्ती में आयु सीमा में छूट, मोबाइल व डेटा सुविधा और लंबित मानदेय के भुगतान की मांग की है। संगठन ने चेतावनी दी कि 15 अगस्त तक सकारात्मक निर्णय नहीं हुआ तो पशुपालन निदेशालय देहरादून में हड़ताल और आमरण अनशन किया जाएगा। इस मौके पर दिनेश प्रसाद भट्ट, धर्मेंद्र भंडारी, महिपाल सिंह महर, अरविंद सिंह, सोहन राणा, शैलेंद्र सेमवाल, भुवनेश्वर आदि थे।

उधर, नौगांव में मॉडल पशु चिकित्सालय में एकत्र पैरावेट कर्मियों ने वरिष्ठ पशु चिकित्साधिकारी डॉ. अनूप नौटियाल के माध्यम से मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को ज्ञापन भेजा।

डीएवी पब्लिक स्कूल में धूमधाम से मनाया गया 38वां स्थापना दिवस

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत बलभद्रपुर स्थित डीएवी पब्लिक स्कूल में विद्यालय का 38वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। छात्र-छात्राओं ने लोकगीत, लोकनृत्य और गीतों पर शानदार प्रस्तुतियां देकर दर्शकों की खूब वाहवाही बटोरी। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में उत्सव का माहौल बना रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य नितिन भाटिया ने किया। इसके बाद हरिश्चंद्र शास्त्री के नेतृत्व में वैदिक परंपरा के अनुसार मंगलाचरण और हवन-यज्ञ संपन्न कराया गया। हवन के दौरान विद्यालय परिवार ने सुख-समृद्धि और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इसके उपरांत छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। नर्सरी, एलकेजी और यूकेजी के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने जंगल थीम पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। प्रस्तुति के माध्यम से बच्चों ने जंगल और वन्यजीवों की खूबसूरत झलक पेश की, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। कक्षा प्रथम और द्वितीय के विद्यार्थियों ने अंग्रेजी गीत ह्यस्माइल ऑन योर फेसह्व पर आकर्षक प्रस्तुति दी। वहीं कक्षा तृतीय और चतुर्थ के विद्यार्थियों ने राजस्थानी लोक संस्कृति की मनोहारी छटा बिखेरते हुए ह्यआया रे शुभ दिन आयो रे...ह्व गीत पर शानदार नृत्य प्रस्तुत किया। कक्षा पांचवीं के विद्यार्थियों ने ह्यएक है ईश्वर, एक है वेद, एक ही अपना नारा बोलह्व गीत पर मनमोहक प्रस्तुति देकर भारतीय संस्कृति और वैदिक परंपरा का संदेश दिया। इसके अलावा विद्यार्थियों ने गढ़वाली लोकगीतों पर भी पारंपरिक लोकनृत्य प्रस्तुत कर उत्तराखंड की लोकभाषा और संस्कृति के प्रति अपने जुड़ाव को प्रदर्शित किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में विद्यार्थियों की प्रतिभा, आत्मविश्वास और रचनात्मकता देखने को मिली। विभिन्न प्रस्तुतियों के माध्यम से बच्चों ने देश की विविध लोक संस्कृतियों के साथ ही अपनी क्षेत्रीय संस्कृति की झलक भी प्रस्तुत की। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी और अभिभावक मौजूद रहे। उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनकी प्रस्तुतियों की सराहना की।

गंगोत्री हाईवे : दोपहर बाद हुआ बंद, शाम शुरू हो पाई आवाजाही

उत्तरकाशी। सोमवार दोपहर बाद गंगोत्री हाईवे पर कैप्टन ब्रिज सहित हेलगुगाड और सुगनर के पास बोल्डर और मलबा आने के कारण सड़क पर आवाजाही बंद हो गई थी।

हालांकि शाम करीब पांच बजे हाईवे पर आवाजाही सुचारू हो गई है। वहीं यमुनोत्री हाईवे पर सिलाई बैंड के पास आवाजाही जोखिमभरी बनी हुई है।

सोमवार दोपहर बाद हल्की बारिश के बीच गंगोत्री हाईवे पर तीन स्थानों पर पहाड़ी से भारी भूस्खलन देखने को मिला। इस दौरान कैप्टन ब्रिज सहित हेलगुगाड और सुगनर में बोल्डर व मलबा आने के कारण हाईवे पर आवाजाही बंद हो गई थी। इससे गंगनानी सहित भटवाड़ी के आसपास सैकड़ों कांवड़ यात्री फंस गए थे। हालांकि शाम करीब पांच बजे आवाजाही सुचारू हो गई है।

शराब के नशे में हुड़दंग मचा रहे सात युवक गिरफ्तार

पुलिस ने शांति भंग के आरोप में की कार्रवाई, ऑपरेशन प्रहार के तहत अभियान जारी

कोटद्वार कोतवाली पुलिस की हिरासत में आरोप

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : शराब के नशे में सार्वजनिक स्थान पर हुड़दंग और विवाद करने के आरोप में पुलिस ने सात युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सभी के खिलाफ शांति भंग के तहत कार्रवाई की। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में नशे की हालत में उपद्रव करने वालों में हड़कंप मचा हुआ है।

कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रदीप नेगी ने बताया कि ऑपरेशन प्रहार के तहत क्षेत्र में लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस को सूचना मिली कि कुछ युवक शराब के नशे में आपस में विवाद कर हुड़दंग मचा रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और सभी युवकों को हिरासत में लेकर कोतवाली ले आई। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार युवकों की पहचान काशीरामपुर निवासी जगदीश बिष्ट, ग्रास्टनगंज निवासी फरमान, कुंभीचौड़ निवासी फिरोज, लकड़ीपड़ाव निवासी इरशाद, कुंभीचौड़ निवासी मोहम्मद शाकिर, रफराज और आमपड़ाव निवासी हर्षित के रूप में हुई है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि सार्वजनिक स्थान पर शराब पीकर हुड़दंग करने और शांति व्यवस्था प्रभावित करने वालों के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने लोगों से क्षेत्र में किसी भी तरह की अव्यवस्था या विवाद की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की।

क्रीड़ा प्रतियोगिता में जशोधरपुर विद्यालय के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : महादेव सरस्वती शिशु विद्या मंदिर हाईस्कूल जशोधरपुर के विद्यार्थियों ने 38वीं गढ़वाल क्षेत्र बाल वर्ग की क्रीड़ा प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए विभिन्न स्पर्धाओं में अव्वल स्थान हासिल किया। विद्यालय के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा और मेहनत का परिचय देते हुए कई प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया।

ऋषिकेश में आयोजित गढ़वाल क्षेत्र बाल वर्ग की क्रीड़ा प्रतियोगिता में जशोधरपुर विद्यालय के विद्यार्थियों ने विभिन्न खेल स्पर्धाओं में प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में गोला फेंक और चक्का फेंक में शौर्य बड़ोला ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं, बैडमिंटन स्पर्धा में अक्षिता रावत ने बाजी मारी। कक्षा आठ के छात्र नितिश ने 200 और 400 मीटर दौड़ में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया। इसके अलावा 600 मीटर दौड़ में अमृता ने तथा लंबी कूद में साक्षी ने अव्वल स्थान प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है। विद्यालय के प्रधानाचार्य निर्मल केमनी और प्रबंधन समिति के जितेंद्र चंद्र डोबरियाल ने कहा कि विद्यालय के विद्यार्थी प्रत्येक वर्ष विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ खेलों में भी विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। खेल विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को विद्यालय की ओर से सम्मानित किया गया। इस दौरान शिक्षकों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें भविष्य में भी इसी तरह मेहनत और लगन के साथ खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय प्रबंधन ने प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले सभी विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की।

परिवार की मदद को आगे आया श्रीराम सेवा दल

श्रीनगर गढ़वाल : बुघाणी रोड के समीप बस्ती में भीषण अग्निकांड से प्रभावित परिवार की मदद के लिए श्री राम सेवा दल के सदस्य आगे आए। दल के सदस्यों ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उन्हें घरेलू सामान उपलब्ध कराया। इस दौरान पीड़ित परिवार को रोजमर्रा की जरूरत का सामान दिया गया। सदस्यों ने संकट की इस घड़ी में उन्हें हरसंभव सहयोग का भरोसा भी दिलाया।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

विभाग:	Electrical (TRD)
टेंडर नं:	T-05-TRD-MB-26-27
कार्य का नाम:	आगामी कुंभ मेले के लिए मुरादाबाद डिवीजन के (i) ATMO, PRI, IKK, JWP, MOTC, RKSH & LRJ पर updation और (ii) PRI, ATMO, MOTC स्टेशनों पर FOB और H/L प्लेटफॉर्म कार्य का प्रावधान के कारण ओएचई संशोधन कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।
निविदा जमा करने की अंतिम दिनांक एवं समय:	01.09.2026, 15:00 Hrs
कार्य की अनुमानित लागत:	₹ 23,76,834.34/- (Including GST@18%)
बिड सिक्यूरिटी राशि:	₹ 47,500/-
निविदाप्रपत्र मूल्य:	NIL
ऑफर की वैधता (दिन):	60 days
कार्य पूरा करने की अवधि:	04 Months
वेबसाइट एवं कार्यालय का पता:	www.ireps.gov.in Divisional Railway Manager's Office, Northern Railway, Moradabad.

सं.:Elect/TRD/MB/2026-27/TN-09 दिनांक:10.08.2026 2750/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/III/मुरादाबाद द्वारा ई–टेंडर निम्न टेंडर संख्या के अंतर्गत आमंत्रित किये जाते हैं। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चेक डिपॉजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेंडर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेंडर संख्या/दिनांक	148-DRM-MB-26-27 Date: 08.08.2026	149-DRM-MB-26-27 Date: 08.08.2026	150-DRM-MB-26-27 Date: 08.08.2026	151-DRM-MB-26-27 Date: 08.08.2026
कार्य का नाम	Annual repair of Bridge in the Section of SSE/W/RAC under ADEN/SPN.	Zone No. 3 from Km 1327 to 1381 (DAN to MPH Stations) for General Work in Service Buildings for years 2026-27 under ADEN/BE	Raising of Existing PF No. 1 from Medium Level to High Level and PF No. 2/3 from Rail Level to High Level with Extension of PF's & Other Misc. Works in C/w MEA at CBJ Station under ADEN/BE & Civil work in C/W Provision of new FOB (3m) from PF-1 to 3 at CBJ in lieu of old FOB and other misc. works	Raising of existing rail level PF to High level PF and provision of ramp for existing FOB at AJI station under ADEN/SPN
टेंडर क्लोजिंग दिनांक/समय	02.09.2026 at 16:00 Hrs.	02.09.2026 at 16:00 Hrs.	02.09.2026 at 16:00 Hrs.	02.09.2026 at 16:00 Hrs.
अनुमानित लागत(₹)	₹84,84,277.49	₹89,99,513.84	₹6,82,31,794.32	₹2,71,01,288.29
धरोहर राशि(₹)	₹1,69,700.00	₹1,80,000.00	₹13,64,600.00	₹5,42,000.00
बिडिंग आरंभ तिथि	19.08.2026	19.08.2026	19.08.2026	19.08.2026
ऑफर की वैधता	60 Days	60 Days	60 Days	60 Days
कार्य पूर्ण करने की अवधि	12 Months	12 Months	08 Months	08 Months

नं.: 75-W/2/3/WA/Publication दिनांक.: 08.08.2026 2746/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

बदलते समीकरणों का संकेत

देश और भाजपा शासित राज्यों में भाजपा की स्थिति में वह धार नजर नही आ रही है जो आज से 6 महीने पहले दिखा करती थी। निश्चित तौर पर नीट पेपर लीक मामले के बाद राजनीतिक परिदृश्य में काफी परिवर्तन देखने को मिला है और इसका असर उत्तराखंड में भी पड़ा है। उत्तराखंड में पहले ही कई बार पेपर लीक हो चुके हैं जिसे लेकर सरकार के काम करने के तरीकों पर भी सवाल खड़े हुए हैं। इधर एक तरफ तो भाजपा के खिलाफ लोगों का बढ़ता बदलता नजरिया उसे पर विधायकों के जनता के लिए किए गए कार्यों के प्रति अनदेखी का परिणाम भी कहीं ना कहीं आने वाले विधानसभा चुनाव में देखने को मिल सकता है। स्थिति यह है कि चर्चा होने लगी है की पार्टी हाई कमान इस पर कई विधायकों के टिकट काट सकता है लेकिन फिर सवाल वही खड़ा हो जाता है कि जब पहले ही भाजपा को लेकर लोगों का नजरिया बदल रहा है तो ऐसे में नए लोगों को मैदान में उतरना कितना सफल साबित होगा? भारतीय जनता पार्टी लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी का लक्ष्य लेकर संगठन और सरकार दोनों स्तरों पर सक्रिय है। इसी बीच राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा भी जोर पकड़ रही है कि पार्टी कई मौजूदा विधायकों के टिकट काट सकती है और नए चेहरों को अवसर दे सकती है। राजनीतिक दलों के लिए चुनाव केवल लोकप्रियता का नहीं बल्कि जीत की संभावनाओं का भी प्रश्न होता है। ऐसे में भाजपा अपने विधायकों के प्रदर्शन, जनता के बीच उनकी स्वीकार्यता, संगठन के साथ तालमेल और क्षेत्र में विकास कार्यों का आकलन कर रही है। विभिन्न मीडिया रिपोर्टों में भी संकेत मिले हैं कि पार्टी नेतृत्व कमजोर जनाधार, बढ़ती नाराजगी या एंटी-इन्कम्बेंसी का सामना कर रहे कुछ विधायकों के टिकट पर पुनर्विचार कर सकता है। 2022 के विधानसभा चुनाव में भी पार्टी ने कई मौजूदा विधायकों को टिकट नहीं दिया था और नए चेहरों पर दांव लगाया था।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि पार्टी तीसरी बार सत्ता हासिल करना चाहती है तो उसे स्थानीय स्तर पर जनता की अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए कठिन निर्णय लेने पड़ सकते हैं। युवाओं, महिलाओं और नए नेतृत्व को आगे बढ़ाने की रणनीति भी भाजपा के संगठनात्मक एजेंडे का हिस्सा मानी जा रही है। हालांकि अभी तक भाजपा की ओर से किसी विधायक का टिकट काटने संबंधी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। इसलिए किसी भी नाम को लेकर की जा रही चर्चा को अंतिम सत्य नहीं माना जा सकता। टिकट वितरण का अंतिम निर्णय चुनाव के नजदीक पार्टी नेतृत्व और केंद्रीय संसदीय बोर्ड द्वारा लिया जाएगा। स्पष्ट है कि उत्तराखंड की राजनीति में आने वाले महीनों में टिकटों को लेकर गतिविधियां और तेज होंगी। जिन विधायकों ने अपने क्षेत्रों में मजबूत पकड़ बनाई है, उन्हें लाभ मिल सकता है, जबकि कमजोर प्रदर्शन करने वालों को चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। भाजपा के लिए यह केवल टिकट वितरण का मामला नहीं, बल्कि 2027 के चुनावी परिणामों की दिशा तय करने वाला महत्वपूर्ण निर्णय भी होगा।

युवा शक्ति को प्रतिभा, सेवा और नेतृत्व का अवसर देकर ही सशक्त समाज और विकसित राष्ट्र का निर्माण संभव

कांतिलाल मांडोत

युवा किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति, सबसे मूल्यवान संपत्ति और भविष्य के निमार्ता होते हैं। उनमें जोश, उत्साह, ऊर्जा, नवीन सोच और चुनौतियों का सामना करने का अद्भुत साहस होता है। यही कारण है कि इतिहास गवाह है कि जब-जब युवाओं ने सही दिशा में कदम बढ़ाए हैं, तब-तब समाज में परिवर्तन आया है, नई क्रांतियों का जन्म हुआ है और राष्ट्र ने विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। युवा केवल वर्तमान की आवश्यकता नहीं, बल्कि भविष्य की सबसे बड़ी आशा हैं। इसलिए समाज का यह नैतिक दायित्व है कि वह युवा शक्ति को उनकी प्रतिभा दिखाने, समाज सेवा करने और नेतृत्व करने के पर्याप्त अवसर प्रदान करे।

किसी भी समाज या देश की प्रगति युवाओं की सक्रिय भागीदारी के बिना संभव नहीं है। यदि युवा वर्ग को केवल दर्शक बनाकर रखा जाएगा और निर्णय लेने की प्रक्रिया से दूर रखा जाएगा, तो समाज अपनी सबसे बड़ी शक्ति से वंचित रह जाएगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि अनुभवी और वरिष्ठ लोग युवाओं का हाथ पकड़कर उन्हें आगे बढ़ने का अवसर दें। यदि उनसे कोई भूल हो जाए तो उन्हें अपमानित करने या हतोत्साहित करने के बजाय प्रेमपूर्वक समझाया जाए, उनका आत्मविश्वास बढ़ाया जाए और उन्हें दोबारा बेहतर करने की प्रेरणा दी जाए। आखिर अनुभव भी गलतियों से ही प्राप्त होता है।

आज समाज में नेतृत्व की होड़, पद की लालसा और व्यक्तिगत स्वार्थ ने सेवा की भावना को काफी हद तक पीछे छोड़ दिया है। जबकि वास्तविक नेतृत्व वही है जिसमें त्याग, समर्पण, सेवा और राष्ट्रहित सर्वोपरि हो। यदि युवाओं के भीतर इन मूल्यों का विकास किया जाए तो वे केवल अपने परिवार का ही नहीं, बल्कि पूरे समाज और देश का गौरव बन सकते हैं। उन्हें यह विश्वास दिलाना होगा कि सफलता केवल पद प्राप्त करने में नहीं, बल्कि समाज के लिए उपयोगी बनने में है।

वर्तमान समय की सबसे बड़ी चुनौतियों में एक है युवाओं का नशे और दिखावटी जीवनशैली की ओर बढ़ता आकर्षण। शराब, तंबाकू, नशीले पदार्थ और अन्य व्यसनों ने अनेक युवाओं का भविष्य अंधकारमय बना दिया है। यह केवल एक व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार और आने वाली पीढ़ियों को प्रभावित करता है। नशे की लत से आर्थिक स्थिति बिगड़ती है, पारिवारिक संबंध टूटते हैं, स्वास्थ्य नष्ट होता है और समाज में अपराध भी बढ़ते हैं। इसलिए अभिभावकों, शिक्षकों, समाजसेवियों और धार्मिक संस्थाओं की यह जिम्मेदारी है कि वे युवाओं को इन बुराइयों से दूर रखें और उन्हें सकारात्मक दिशा प्रदान करें।

आज फैशन और पाश्चात्य संस्कृति के अंधानुकरण ने भी अनेक युवाओं को अपनी संस्कृति, संस्कार और सामाजिक जिम्मेदारियों से दूर कर दिया है। आधुनिकता का अर्थ अपनी जड़ों से कट जाना नहीं है। विज्ञान, तकनीक और आधुनिक शिक्षा को अपनाना आवश्यक है, लेकिन अपनी संस्कृति, नैतिक मूल्यों और राष्ट्रीय स्वाभिमान को भूल जाना किसी भी समाज के लिए उचित नहीं हो सकता। युवाओं को यह समझाना होगा कि भारतीय संस्कृति में मानवता, सेवा, सहिष्णुता और नैतिकता का जो संदेश है, वही उन्हें सच्चे अर्थों में महान बनाता है।

राष्ट्र संतों और महान विचारकों ने हमेशा युवाओं को राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी बताया है। उनका मानना था कि यदि युवाओं पर विश्वास किया जाए, उन्हें प्रेम दिया जाए और उनकी क्षमता को पहचानकर अवसर प्रदान किए जाएं, तो वे असंभव कार्यों को भी संभव बना सकते हैं। इसलिए धार्मिक, सामाजिक, शैक्षणिक और राजनीतिक क्षेत्रों में युवाओं की भागीदारी बढ़ाना समय की आवश्यकता है। यदि उन्हें निर्णय लेने और नेतृत्व करने के अवसर नहीं मिलेंगे, तो उनकी ऊर्जा भटक सकती है। तब उसकी जिम्मेदारी केवल युवाओं की नहीं, बल्कि पूरे समाज की होगी जिसने उन्हें सही मंच उपलब्ध नहीं कराया।

आज देश के विभिन्न हिस्सों में अनेक युवा अपनी समस्याओं को लेकर आंदोलन और विरोध-प्रदर्शन करते दिखाई देते हैं। दिल्ली सहित कई शहरों में युवाओं के आंदोलन यह संकेत देते हैं कि वे अपनी बात रखना चाहते हैं और समाज में सकारात्मक बदलाव की अपेक्षा रखते हैं। यदि उनकी समस्याओं को समय रहते सुना जाए और संवाद के माध्यम से समाधान निकाला जाए, तो यही युवा राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी ताकत बन सकते हैं। दूसरी ओर यदि उनकी उपेक्षा की जाएगी, तो उनमें निराशा और असंतोष बढ़ सकता है।

युवाओं के चरित्र निर्माण में परिवार की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। माता-पिता केवल शिक्षा दिलाकर अपने दायित्व से मुक्त नहीं हो सकते। उन्हें बच्चों को अच्छे संस्कार, अनुशासन, नैतिकता, सामाजिक जिम्मेदारी और राष्ट्रप्रेम की भावना भी देनी होगी। जिस परिवार में संवाद, विश्वास और प्रेम का वातावरण होता है, वहां के युवा सामान्यतः सही दिशा में आगे बढ़ते हैं। विद्यालय, महाविद्यालय और समाज भी इस प्रक्रिया में महत्वपूर्ण सहयोगी बन सकते हैं।

आज का युवा डिजिटल युग का युवा है। उसके पास असीमित जानकारी और अवसर उपलब्ध हैं। यदि उसकी प्रतिभा को सही दिशा मिले तो वह विज्ञान, तकनीक, कृषि, उद्योग, खेल, साहित्य, कला, सामाजिक सेवा और उद्यमिता जैसे हर क्षेत्र में देश का नाम रोशन कर सकता है। भारत विश्व का सबसे युवा देश माना जाता है और यह जनसांख्यिकीय शक्ति तभी राष्ट्रीय संपदा बनेगी जब युवाओं को रोजगार, कौशल, शिक्षा और नेतृत्व के पर्याप्त अवसर मिलेंगे। समाज को चाहिए कि वह युवाओं को केवल भविष्य का नागरिक न माने, बल्कि वर्तमान का सक्रिय सहभागी बनाए। उन्हें निर्णय लेने का अधिकार, समाज सेवा का अवसर और अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का मंच दिया जाए। उनके विचारों को सम्मान मिले, उनकी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा मिले और उनके सपनों को उड़ान देने का वातावरण तैयार किया जाए। जब अनुभवी लोगों का मार्गदर्शन और युवाओं की ऊर्जा एक साथ जुड़ेगी, तभी एक मजबूत, समृद्ध और संस्कारित भारत का निर्माण संभव होगा।

युवा देश की धड़कन हैं। उनका उत्साह, परिश्रम, प्रतिभा और संकल्प ही राष्ट्र की वास्तविक शक्ति है। यदि समाज उन्हें विश्वास, अवसर और सही मार्गदर्शन देगा तो वे विकास, नवाचार, सेवा और राष्ट्र निर्माण की नई गाथा लिखेंगे। इसलिए समय की सबसे बड़ी आवश्यकता यही है कि युवा शक्ति को सम्मान दिया जाए, उनकी प्रतिभा को पहचानकर अवसर प्रदान किए जाएं और उन्हें राष्ट्र निर्माण का अग्रदूत बनाया जाए। यही एक सशक्त समाज, समृद्ध राष्ट्र और उज्ज्वल भविष्य की सबसे मजबूत नींव है।

(वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार-स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

अमंगल हारी, करुणामयी शिवशक्ति का पावन पर्व है सावन शिवरात्रि

योगेश कुमार गोयल

भारत में सर्वाधिक महत्व जिस देव का है, वो देवाधिदेव भगवान शिव ही हैं, जो आज भी समूचे भारतवर्ष में उतने ही पूजनीय और वंदनीय हैं, जितने सदियों पहले। देशभर में भगवान शिव की पूजा-उपासना व्यापक स्तर पर होती है, इसीलिए 'शिवरात्रि' पर्व को भारत में राष्ट्रीय पर्व का दर्जा प्राप्त है। वैसे तो शिवरात्रि हर माह मनती है किन्तु इनमें से फाल्गुन महाशिवरात्रि और सावन शिवरात्रि की महत्ता सर्वाधिक है। सावन शिवरात्रि प्रायः माह की कृष्ण पक्ष चतुर्दशी को मनाई जाती है, जिसे भगवान शिव के प्रति भारतीयों की आस्था की प्रतीक 'कांवड़ यात्रा' का समापन दिवस भी कहा जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार भारत में सावन शिवरात्रि का बहुत महत्व है। हिंदू पंचांग के अनुसार, सावन की शिवरात्रि सावन महीने के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को मनाई जाती है और वर्ष यह तिथि 11 अगस्त को प्रातः 4 बजकर 43 मिनट से शुरू होकर 12 अगस्त रात्रि 01 बजकर 51 मिनट तक रहेगी। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार, यह पर्व 11 अगस्त को ही मनाया जाएगा और इसी दिन शिवलिंग का जलाभिषेक होगा। सावन शिवरात्रि के पावन अवसर पर ही कांवड़ यात्रा का भी समापन होता है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, इस साल सावन शिवरात्रि पर चतुर्ग्रही योग बन रहा है और इस दिन कर्क राशि में सूर्य, गुरु, बुध और चंद्रमा एक साथ बैठकर चतुर्ग्रही योग का निर्माण करने वाले हैं।

धार्मिक ग्रंथों में 'शिव' और 'रात्रि' के शाब्दिक अर्थ को परिभाषित करते हुए बताया गया है, जिसमें सारा जगत शयन करता है, जो विकार रहित है, वह शिव है अथवा जो अमंगल का ह्रास करते हैं, वे ही सुखमय, मंगलमय शिव हैं। जो सारे जगत को अपने अंदर लीन कर लेते हैं, वे ही करूणासागर भगवान शिव हैं। जो भगवान नित्य, सत्य, जगत आधार, विकार रहित, साक्षीस्वरूप हैं, वे ही शिव हैं। महासमुद्र रूपी शिव ही एक अखंड परम तत्व हैं, इन्हीं की अनेक विभूतियां अनेक नामों से पूजी जाती हैं, यही सर्वव्यापक और सर्वशक्तिमान हैं, यही व्यक्त-अव्यक्त रूप से 'सगुण ईश्वर' और 'निर्गुण ब्रह्म' कहे जाते हैं तथा यही परमात्मा, जगत आत्मा, शम्भव, मयोभव, शंकर, मयस्कर, शिव, रूद्र आदि कई नामों से संबोधित किए जाते हैं। 'रात्रि' शब्द 'रा' दानार्थक धातु से बना है अर्थात जो सुखादि प्रदान करती है, वह 'रात्रि' है। रात्रि सदा आनन्ददायिनी होती है, अतः सबकी आश्रयदात्री होने के कारण उसकी स्तुति की गई है। इस प्रकार शिवरात्रि का अर्थ है, वह रात्रि, जो आनंद देने वाली है, जिसका शिव नाम के साथ विशेष संबंध है।

भगवान शिव को 'कालों का काल' और 'देवों का देव' अर्थात 'महादेव' कहा गया है। देव-दानव, मानव-प्रेत, भगवान शिव इन सभी के आराध्य देव रहे हैं। 'भोले बाबा' के रूप में सर्वत्र पूजनीय भगवान शिव को समस्त देवों में अग्रणीय और पूजनीय इसलिए भी माना गया है क्योंकि वह अपने भक्तों पर बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं और दूध या जल की धारा, बेलपत्र व भांग की पत्तियों की भेंट से ही अपने भक्तों पर प्रसन्न हो जाते हैं तथा उनकी मनोकामना पूर्ण करते हैं। भगवान शिव को भारत की भावनात्मक एवं राष्ट्रीय एकता तथा अखण्डता का प्रतीक माना गया है। एक होते हुए भी शिव के नटराज, पशुपति, हरिहर, त्रिमूर्ति, मृत्युंजय, अर्द्धनारीश्वर, महाकाल, भोलेनाथ, विश्वनाथ, ओंकार, शिवलिंग, बटुक, क्षेत्रपाल, शरभ इत्यादि अनेक रूप हैं। ग्रंथों में भगवान शिव के बारे में यही उल्लेख मिलता है कि तीनों लोकों की अपार सुन्दरी और शीलवती गौरी को अर्धांगिनी बनाने वाले शिव प्रेतों और भूत-पिशाचों से घिरे रहते हैं। उनका शरीर भस्म से लिपटा रहता है, गले में सर्पों का हार शोभायमान रहता है, कंठ में विष है, जटाओं में जगत तारिणी गंगा मैया हैं और माथे में प्रलयंकर ज्वाला है। बैल (नंदी) को भगवान शिव का वाहन माना गया है और ऐसी मान्यता है कि स्वयं अमंगल रूप होने पर भी भगवान शिव अपने भक्तों को मंगल, श्री और सुख-समृद्धि प्रदान करते हैं।

कहा जाता है कि भगवान विष्णु ने भगवान शिव की अनुकम्पा प्राप्त करने के लिए उन्हें अपनी एक आंख समर्पित कर दी थी। इस बारे में कहा गया है कि भगवान विष्णु जब शिव को प्रसन्न करने के लिए 1008 कमल के फूलों से उनका अभिषेक कर रहे थे, तब आखिर में एक कमल कम रह गया। इस पर भगवान विष्णु ने तुरंत कटार से अपनी एक आंख निकाली और कम रहे कमल के स्थान पर शिव को अपनी आंख अर्पित कर दी। इससे शिव विष्णु पर इतने प्रसन्न हुए कि उन्होंने भगवान विष्णु को अपना दिव्य मंत्र प्रदान कर दियाः-

ॐ त्रयम्बकं यजामहे
सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम।
उर्वारूकमिव बन्धनात।
मृत्योर्मुक्षीय मामृतात।।

भगवान शिव के मस्तक पर अर्द्धचंद्र शोभायमान है। इसके संबंध में कहा जाता है कि समुद्र मंथन के समय समुद्र से विष और अमृत के कलश उत्पन्न हुए थे। इस विष का प्रभाव इतना तीव्र था कि इससे समस्त सृष्टि का विनाश हो सकता था, ऐसे में भगवान शिव ने इस विष का पान कर सृष्टि को नया जीवनदान दिया जबकि अमृत का पान चन्द्रमा ने कर लिया। विषपान करने के कारण भगवान शिव का कंठ नीला पड़ गया, जिससे वे 'नीलकंठ' के नाम से जाने गए। विष के भीषण ताप के निवारण के लिए भगवान शिव ने चन्द्रमा की एक कला को अपने मस्तक पर धारण कर लिया। यही भगवान शिव का तीसरा नेत्र है और इसी कारण भगवान शिव 'चन्द्रशेखर' भी कहलाए।

अफसरों जिम्मेदार ठहराने से होगा समस्याओं का समाधान

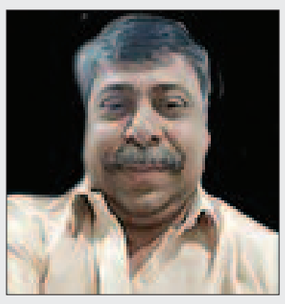

योगेन्द्र योगी

संशोधित केंद्रीय पेपर लीक कानून में अनुचित साधनों का इस्तेमाल करने पर कम से कम 5 वर्ष और अधिकतम 10 वर्ष तक की सजा होगी। अधिकतम जुमार्ना 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 50 लाख रुपये कर दिया गया है। संगठित अपराधों में 7 से 10 वर्ष तक की सजा और 10 करोड़ रुपये तक जुमार्ने का प्रावधान किया गया है।

देश की सरकारों के पास हर समस्या का एक लाइलाज रामबाण इलाज यह है कि किसी समस्या की गहराई के उपचार के बजाए कानून बना दिया जाए। सरकारें हर समस्या का इलाज व्यवहारिक धरातल पर नहीं बल्कि कानून में ढूंढने की आदी हो चुकी हैं। देश में हर क्षेत्र में एक के बाद एक नए कानून बनाए जा रहे हैं, किन्तु समस्याएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। जितने भी नए कानून बनाए जा रहे हैं, या पुराने कानूनों मे संशोधन किया जा रहा, उसका सारा भार देश के आम लोगों पर ही डाला जा रहा है। इन कानूनों में कहीं लापरवाही बरतने या अनदेखी के लिए देश के आला अफसर जिम्मेदार नहीं हैं। आजादी से लेकर आज तक ऐसा कोई कानून केंद्र या किसी राज्य ने नहीं बनाया है कि यदि कोई घटना-दुर्घटना या कांड होगा तो उसके लिए सीधे अफसर भी जिम्मेदार माने जाएंगे।

संशोधित केंद्रीय पेपर लीक कानून में अनुचित साधनों का इस्तेमाल करने पर कम से कम 5 वर्ष और अधिकतम 10 वर्ष तक की सजा होगी। अधिकतम जुमार्ना 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 50 लाख रुपये कर दिया गया है। संगठित अपराधों में 7 से 10 वर्ष तक की सजा और 10 करोड़ रुपये तक जुमार्ने का प्रावधान किया गया है। पेपर लीक का नया केंद्रीय कानून बनाने के बावजूद झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) परीक्षा में पेपर लीक और अनियमितताएं हुईं। इस मामले में अब तक 11 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है और जेपीएससी के चेयरमैन एल. खियांगटे ने इस्तीफा भी दे दिया। केंद्र सरकार के बनाए पेपर लीक परीक्षा कानून देश में एक अगस्त से अस्तित्व मे आ चुका है। इसके बावजूद देश में भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक मामले थम नहीं रहे हैं।

राजस्थान में अप्रैल 2022 में एंटी पेपर लीक एक्ट लागू किया गया। गुजरात में मार्च 2023 से सख्त नकल और पेपर लीक विरोधी कानून लागू। उत्तराखंड में वर्ष 2023 में प्रतियोगी परीक्षा अध्यादेश/कानून लागू किया गया। झारखंड में वर्ष 2023 में अनुचित साधनों की रोकथाम के लिए अधिनियम बनाया गया। हरियाणा में सितंबर 2021 से प्रभावी कानून लागू है। इसी तरह असम, हिमाचल प्रदेश,

महाराष्ट्र, अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा और आंध्र प्रदेश आदि राज्यों में भी अलग-अलग वर्षों में इससे जुड़े कड़े कानूनी प्रावधान या अधिनियम बनाए जा चुके हैं। केंद्र और इतने राज्यों में पेपर लीक कानून के बाद भी पेपर लीक की घटनाएं थम नहीं रही है।

पेपर लीक की तरह देश में बलात्कार के मामलों में बेहद कठोर कानून बनाए गए थे। बलात्कार और इसके साथ हत्या के मामलों में फांसी तक का प्रावधान किया गया है। 2012 में दिल्ली में एक छात्रा के साथ सामूहिक बलात्कार और हत्या के दोषी चार भारतीय पुरुषों को फांसी दे दी गई थी। निर्भया बलात्कार हत्याकांड से लोगों में आक्रोश फैल गया था और भारत में बलात्कार विरोधी नए कानून बनाए गए। आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम, 2018 के तहत 12 साल से कम उम्र की बच्चियों के बलात्कार में मृत्युदंड का प्रावधान किया गया। गैंग रेप में न्यूनतम सजा 20 साल से आजीवन की गई।

इतने कठोर कानून के लागू होने के बावजूद देश में बलात्कार-हत्या के मामले बढ़ते चले गए। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के मुताबिक देश के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में साल 2023 में 31,982 महिलाओं के साथ बलात्कार के मामले दर्ज हुए। इससे जाहिर है कि नए कठोर कानूनों का अपराधियों को कोई भय नहीं है। ये कानून महज कागज का पुलिन्दा साबित हो रहे हैं। यही भ्रष्टाचार का भी हाल है। देश में भ्रष्टाचार रोकने के लिए कठोर कानून बने हुए हैं, इसके बावजूद देश से भ्रष्टाचार खत्म होना तो दूर बल्कि कम तक नहीं हो सका। आए दिन कहीं न कहीं भ्रष्टाचार की खबरें आती रहती हैं। भ्रष्टाचार खत्म नहीं करने के लिए कभी किसी अफसर को जिम्मेदार नहीं माना गया। बेशक उनके विभाग का ही कोई भ्रष्टाचारी क्यों न पकड़ा जाए।

आज तक जितने भी कानून बनाए गए हैं, उसमें अफसरों की जिम्मेदारी कहीं भी तय नहीं की गई। मसलन सड़क पर गडढा होने से यदि कोई सड़क दुर्घटना होती है या फिर बगैर अग्नि सुरक्षा उपायों के संचालित किसी व्यवसायिक भवन में अग्नि दुर्घटना होती है तो इसके निगरानी करने वाले अफसर जिम्मेदार ठहराए जाएंगे, ऐसा कोई कानून नहीं बना है। यही प्रमुख वजह है कि चाहे पेपर लीक हों या किसी तरह का बड़ा हादसा, कानूनों को सख्त कर दिया जाता है, किन्तु जिम्मेदार अधिकारियों की जिम्मेदारी तय नहीं की जाती।

इसका बड़ा उदाहरण मेलों, धार्मिक स्थलों पर होने वाले आयोजनों में भगदड़ के दौरान होने वाली मौतें हैं। ऐसा शायद ही कोई साल जाता होगा, जब ऐसे हादसे नहीं होते होंगे। ऐसे हादसों में अब तक देश भर में हजारों लोगों की मौत हो चुकी है। इसके बावजूद अफसरों की जिम्मेदारी तय नहीं की गई। ऐसा कोई कानून नहीं बनाया गया कि ऐसे आयोजनों में हादसों के लिए सीधे अफसर जिम्मेदार ठहराए जाएंगे, उनके खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलेगा और उन्हे जेल की सजा भुगतनी पड़ेगी।

अफसरों की लापरवाही से हुए हादसों और इससे बच निकलने का बड़ा उदाहरण राजस्थान का है। जहां दो साल पहले स्कूल की छत गिरने से 10 से ज्यादा बच्चों की मौत हो गई, इसके बाद भी स्कूल की छत गिरने या दीवार गिरने के हादसे होते रहे, किन्तु एक भी अफसर को आपराधिक आरोपी नहीं माना गया। किसी पर एफआईआर दर्ज नहीं हुई। पुलिस ने आईएएस अफसर तो दूर बल्कि शिक्षा विभाग के किसी अफसर के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं की। राजस्थान सहित देश के लाखों सरकारी स्कूलों की इमारतों की हालत खस्ता है। सरकारों के पास इतना बजट ही नहीं है कि इतना रखरखाव किया जा सके।

यह निश्चित है कि चुनी हुई सरकारें लंबे अर्से तक देश के लोगों की आंखों में धूल नहीं झौंक सकती, उन्हें कानून बनाने के साथ ही धरातल पर समस्याओं का समाधान ढूंढना होगा। देश में बुनियादी सुविधाओं की पहुंच आम नागरिकों तक बढ़ानी होगी। इसकी कमी से हर साल बिजली, पानी, सड़क, स्कूल, अस्पताल के अभाव जैसे मुद्दों पर धरने, प्रदर्शन, आंदोलन होते हैं, किन्तु इनका स्थायी समाधान नहीं होता। सरकारों की हालत 'खेत खाए गदहा और मार खाए जुलहा' जैसी है। जब तक सरकारें और जिम्मेदार अफसर अपनी जिम्मेदारी से भागते रहेंगे। ऐसी समस्याओं का समाधान नहीं होगा, बेशक कितने भी नए कानून बन जाएं।

संक्षिप्त समाचार

अंतरिक्ष का कचरा बनेगा करोड़ों का कारोबार मलबा हटाएंगी कंपनियां, उपग्रहों की मरम्मत भी होगी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अंतरिक्ष के हजारों निष्क्रिय उपग्रह, इस्तेमाल हो चुके रॉकेटों के हिस्से और टकराव से पैदा हुए मलबे के टुकड़े भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों के लिए खतरा बन रहे हैं और इसी खतरे में निजी कंपनियां नए कारोबारी अवसर तलाश रही हैं। ऑर्बिट रडार के अनुसार अंतरिक्ष में करीब 30 हजार वस्तुओं को ट्रैक किया जा रहा है। इनमें लगभग 18,500 सक्रिय उपग्रह हैं, जबकि बाकी मलबा या इस्तेमाल हो चुके रॉकेट के हिस्से हैं। पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थिति तेजी से बदल रही है। यहां हजारों उपग्रहों के साथ दशकों की अंतरिक्ष गतिविधियों से पैदा हुआ मलबा भी मौजूद है। यही संकट अब अंतरिक्ष में एक नए सेवा उद्योग की नींव रख रहा है। जापान की कंपनी एस्ट्रोस्केल ऐसे अंतरिक्ष यान विकसित कर रही है, जो कक्षा में जाकर निष्क्रिय वस्तुओं को पकड़ सकें और उन्हें हटाने में मदद करें। कंपनी ने कक्षा में दूसरे अंतरिक्ष यान से जुड़ने की क्षमता का प्रदर्शन भी किया है। यह काम बेहद जटिल है। पृथ्वी की निचली कक्षा में वस्तुएं करीब 7 से 8 किलोमीटर प्रति सेकंड की गति से चलती हैं और कई निष्क्रिय उपग्रह अनियंत्रित ढंग से घूमते रहते हैं। लक्समबर्ग की कंपनी क्लियरस्पेस मलबा हटाने से आगे बढ़कर उपग्रहों की जांच, मरम्मत, रखरखाव और उनकी उम्र बढ़ाने का बाजार तैयार करना चाहती है।

युद्ध का दंश: गाजा मददगारों ने इस्राइल पर लगाए प्रताड़ना के आरोप, अंधेरे कंटेनर और बिजली के झटकों का किया दावा

पेरिस/इस्तांबुल, एजेंसी। मई मध्य में ग्लोबल सुमुद फ्लोटिला संगठन के कुछ कार्यकर्ता समुद्र के रास्ते सहायता लेकर गाजा की नाकाबंदी तोड़ने की कोशिश कर रहे थे। इसी दौरान इस्राइली सैन्य बलों ने उन्हें हिरासत में ले लिया। छूटने के बाद 24 में 22 कार्यकर्ताओं ने दावा किया कि उन्हें हिरासत में बुरी तरह प्रताड़ित किया गया। लात-घूंसों से पीटा गया, अंधेरे कंटेनरों में रखा गया। यही नहीं, उन्हें बिजली के झटके दिए गए और उनका यौन उत्पीड़न भी किया गया। पीड़ितों ने बताया कि मई मध्य में लगभग 50 नौकाओं से 400 से अधिक कार्यकर्ता तुर्किये से रवाना हुए थे। उनका इरादा युद्धग्रस्त गाजा के लोगों के लिए भोजन और आवश्यक मानवीय सहायता पहुंचाना था। गाजा तट से काफी पहले अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में ही इस्राइली नौसेना के कमांडो ने इस बेड़े को अपने कब्जे में ले लिया। कार्यकर्ताओं को पहले इस्राइली जहाजों पर और बाद में दक्षिणी इजरायल के अश्दोद बंदरगाह पर लगभग तीन दिनों तक हिरासत में रखा गया। इस्राइल के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-ग्वीर ने इस दौरान सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी जारी किया गया, जिसमें वह हिरासत में लिए गए कार्यकर्ताओं का मजाक उड़ाते नजर आए थे। इस बीच, इस्राइल ने कार्यकर्ताओं के लगाए आरोपों को निराधार बताया है। ऑस्ट्रेलियाई फिल्म निर्माता और कार्यकर्ता जूलियट लैमोंट ने आरोप लगाया कि उन्हें एक शिपिंग कंटेनर के अंदर गंभीर रूप से पीटा गया और यौन उत्पीड़न किया गया। वहीं, इतालवी कार्यकर्ता डेरियो कैरोतेनुतो ने बताया कि उन्हें और अन्य लोगों को बेहद तंग जगहों पर फर्श पर सोने के लिए मजबूर किया।

पहले पति संग खूनी जंग, अब यूक्रेन के ड्रोन से मुकाबला; रूस की सबसे रईस महिला का साम्राज्य संकट में

मॉस्को/बर्लिन, एजेंसी। वह सात बच्चों की मां हैं, कभी अंग्रेजी टीचर रहीं और फिर जब यूरोपीय कैटलॉग से कपड़े बेचना शुरू किया तो किस्मत पलट गई। तात्याना किम की ई-कॉमर्स कंपनी वाइल्डबेरीज ने रूस में अपना दबदबा बना लिया। उनके साम्राज्य का अंदाजा इसी से लगता है कि वह रशियन अमेजन कहलाती हैं। सबसे अमीर रूसी महिला को राष्ट्रपति पुतिन की सेना का साथ देने की सजा 49,000 करोड़ के नुकसान से चुकानी पड़ी है। उनका कारोबार यूक्रेन के 'ऑपरेशन वाइल्डबेरीज' का निशाना बन रहा है। तात्याना किम की कहानी में बारूद नया नहीं है। साल 2024 में जब उन्होंने क्रेमलिन यानी रूसी राष्ट्रपति भवन की मध्यस्थता से एक आउटडोर विज्ञापन कंपनी के साथ विलय किया, तो उनके पूर्व पति व्लादिस्लाव बकालचुक ने इसे कॉरपोरेट रेड करार दे डाला। विवाद इतना बढ़ा कि व्लादिस्लाव बाकायदा हथियारबंद चेचन लड़ाकों की फौज लेकर मॉस्को स्थित कंपनी के मुख्य दफ्तर पहुंच गया। रेड स्क्वायर के पास हुई इस खूनी गैंगवार में 2 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और 7 गंभीर रूप से घायल हुए।

एक सदी बाद मिटा गुमनामी का दाग: प्रथम विश्वयुद्ध में शहीद हुए थे 9,909 पंजाबी सैनिक; इतिहास में दर्ज हुआ नाम

लंदन, एजेंसी। प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान ब्रिटिश सेना की ओर से लड़ते हुए जान गंवाने वाले करीब 10,000 पंजाबी सैनिकों को आखिरकार एक सदी बाद आधिकारिक पहचान मिल गई है। वर्षों तक ब्रिटेन के सरकारी रिकॉर्ड में गुमनाम रहे इन सैनिकों के नाम अब कॉमनवेल्थ वार ग्रेव कमीशन के रजिस्टर में दर्ज किए गए हैं। यह काम ब्रिटिश इतिहासकारों और अधिकारियों की वर्षों की मेहनत के बाद संभव हो पाया है। इस ऐतिहासिक कवायद में 9,909 सैनिकों के नाम आधिकारिक शहीद रिकॉर्ड में शामिल किए गए हैं।

भारत में ब्रिटिश शासन के दौर में पंजाब के एक गांव में रहने वाले केसा सिंह भी उन सैनिकों में शामिल थे, जिन्होंने प्रथम विश्वयुद्ध में हिस्सा लेने के लिए अपना घर-परिवार छोड़ दिया था। उन्होंने मौजूदा इराक के इलाके में ब्रिटिश सेना की ओर से लड़ाई लड़ी। ऑटोमन क्षेत्र में युद्ध के दौरान घायल होने के बाद उनकी मौत हो गई और वह फिर कभी अपने घर नहीं लौट सके। हालांकि, ब्रिटेन के आधिकारिक रिकॉर्ड में उन्हें वह सम्मान और पहचान नहीं मिल सकी, जिसकी उनके परिवार को उम्मीद थी।

लाहौर संग्रहालय के अभिलेखागार से कैसे मिली सैनिकों की पहचान : इन गुमनाम सैनिकों की पहचान का प्रयास 2014 में शुरू हुआ था। इसका

नेतृत्व ब्रिटिश इतिहासकार और यूके पंजाब हेरिटेज एसोसिएशन के अध्यक्ष अमनदीप मंद्रा ने किया। शोध के दौरान पाकिस्तान के लाहौर संग्रहालय के अभिलेखागार में प्रथम विश्वयुद्ध में मारे गए पंजाबी सैनिकों के हाथ से लिखे नाम मिले। इन दस्तावेजों से सैनिकों की पहचान, उनके गृह नगर और कुछ मामलों में उनकी मौत से जुड़ी परिस्थितियों का भी पता चला।

14 लाख भारतीय सैनिकों ने प्रथम विश्वयुद्ध में निभाई थी भूमिका : 1914 से 1918 के बीच चले प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान भारतीय उपमहाद्वीप के करीब 14 लाख सैनिकों ने ब्रिटिश भारतीय सेना में सेवा दी थी। इनमें बड़ी संख्या पंजाब से आने वाले सैनिकों की थी। इन सैनिकों ने ब्रिटिश सेना के लिए विभिन्न युद्ध मोर्चों पर लड़ाई लड़ी, लेकिन युद्ध में जान गंवाने के बावजूद बड़ी संख्या में भारतीय सैनिकों को आधिकारिक रिकॉर्ड में वह पहचान नहीं मिली, जो ब्रिटिश सैनिकों को दी गई थी। इंग्लैंड के लीसेस्टर में रहने वाले केसा सिंह के परपोते और डेंटिस्ट डॉ. इंदर सिंह पालाहे ने इस ऐतिहासिक बदलाव पर कहा कि अब उन्हें थोड़ा अधिक पूर्ण महसूस हो रहा है। हालांकि, आधिकारिक रिकॉर्ड में केसा सिंह की उम्र या उनकी मृत्यु की तारीख का उल्लेख नहीं है, लेकिन उनका नाम अब उन सैनिकों की सूची में दर्ज हो गया है, जिन्होंने प्रथम विश्वयुद्ध में अपनी जान गंवाई थी।

नस्ली भेदभाव के कारण क्यों छूट गए थे हजारों सैनिकों के नाम : ब्रिटेन ने दोनों विश्वयुद्धों में मारे गए ब्रिटिश सैनिकों की सूचियों को व्यवस्थित तरीके से संभालकर रखा। इनकी संख्या 10 लाख से अधिक थी। इसके विपरीत, एशिया और अफ्रीका के उपनिवेशों से आने वाले करीब 1 लाख सैनिकों और अन्य सैन्यकर्मियों के रिकॉर्ड को उसी तरह संरक्षित और दर्ज करने का प्रयास नहीं किया गया। कॉमनवेल्थ वार ग्रेव्स कमीशन के आधिकारिक इतिहासकार जॉर्ज हे के अनुसार, इन सैनिकों के नाम रिकॉर्ड से छूटने के पीछे भेदभावपूर्ण रवैया और तीन महाद्वीपों में फैले सैन्य संघर्ष के दौरान रिकॉर्ड तैयार करने की व्यावहारिक चुनौतियां, दोनों जिम्मेदार थीं।

2021 की जांच में भी सामने आया था नस्लवाद का पहलू : कॉमनवेल्थ वार ग्रेव्स कमीशन की स्थापना 1917 में उन सैन्यकर्मियों की मौतों का रिकॉर्ड तैयार करने और उन्हें याद रखने के लिए की गई थी, जिन्होंने दोनों विश्वयुद्धों में ब्रिटेन की ओर से लड़ाई लड़ी थी। हालांकि, 2021 में हुई एक जांच में पाया गया था कि उपनिवेशों से आने वाले सैनिकों को आधिकारिक मान्यता नहीं मिलने के पीछे पूर्वाग्रह और नस्लवाद भी एक महत्वपूर्ण कारण था। अब वर्षों की खोज और ऐतिहासिक दस्तावेजों की पड़ताल के बाद 9,909 पंजाबी सैनिकों के नाम आधिकारिक रिकॉर्ड में शामिल किए गए हैं। यह कदम उन भारतीय सैनिकों को एक सदी बाद सम्मान और पहचान देने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जिन्होंने प्रथम विश्वयुद्ध में ब्रिटिश सेना की ओर से लड़ते हुए अपनी जान गंवाई थी।

दुनिया का आखिरी परमाणु हमला, एक झटके में पिघली शरीर की चमड़ी, लाखों की हुई थी मौत

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। 6 अगस्त और 9 अगस्त 1945, यह वह दो तारीखें हैं, जब पूरी दुनिया को परमाणु बमों के जोखिम और इनके इस्तेमाल से होने वाले सर्वनाश का पहली और आखिरी बार पता चला था। जहां पहली तारीख हिरोशिमा में अमेरिकी परमाणु हमले की है तो वहीं दूसरी तारीख अमेरिका के ही नागासाकी पर हमले की है। दोनों ही घटनाओं में 1.5 लाख से 2.5 लाख लोगों की जान चली गई थी। आज इन घटनाओं को 81 साल पूरे हो चुके हैं। आइये जानते हैं दुनिया के दो पहले और आखिरी परमाणु हमलों के बारे में। जापान में रोज की तरह एक सामान्य सुबह हुई थी। हर कोई अपने रोजमर्रा के काम को निपटा रहा था। कई लोग दफ्तर जा रहे थे। बच्चे स्कूल में पढ़ रहे थे। तभी जापानी समय के अनुसार 8:15 पर हिरोशिमा शहर के बीच में एक तेज धमाका हुआ, आंखों को अंधा कर देने वाली तेज रोशनी चमकी, आसमान की तरफ एक बड़ा धुएं का गुबार उठा और सब कुछ तबाह हो गया। इस सुबह ने हिरोशिमा के लोगों की जिंदगी में तबाही मचा दी। एक झटके में हजारों लोग मारे गए। यह हिरोशिमा पर परमाणु हमला था जो अमेरिका की तरफ से कराया गया था। इसके बाद 9 अगस्त 1945 को अमेरिका ने जापान के एक और शहर नागासाकी पर दूसरा परमाणु हमला किया। इन दोनों हमले में लाखों निर्दोष लोगों की जान चली गई थी। इस हमला इतना भयानक था कि धमाके की आवाज से लोग बहरे हो गए। इसकी तेज रोशनी ने लोगों की अंधा कर दिया। धमाके से उत्पन्न होने वाली गर्मी से लोगों का चमड़ी पिघल गई थी।

हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु हमला : अमेरिकी ऊर्जा विभाग के द्वारा चलाए गए मैनहैटन प्रोजेक्ट की एक रिपोर्ट से पता चला कि 6 अगस्त, 1945 की सुबह, एनोला गे नामक एक बी-29 बमवर्षक विमान तिनियान द्वीप से उड़ान भरकर उत्तर-पश्चिम दिशा में जापान की ओर बढ़ रहा था। बमवर्षक का मुख्य लक्ष्य हिरोशिमा शहर था। हिरोशिमा की नागरिक आबादी लगभग 3,00,000 थी और यह एक महत्वपूर्ण सैन्य केंद्र था, जिसमें लगभग 43,000 सैनिक थे। 509वें कम्पोजिट ग्रुप के कमांडर कर्नल पॉल टिब्बेट्स द्वारा संचालित बमवर्षक विमान ने हिरोशिमा समय के अनुसार लगभग 8:15 बजे एनोला गे ने शहर के ऊपर अपना 9,700 पाउंड का यूरेनियम गन-प्रकार का बम 'लिटिल बॉय' गिरा दिया। जापान इससे पहले हिरोशिमा के हमले से उबर ही पाता कि अमेरिका ने ठीक तीन दिन बाद जापान के नागासाकी पर हमला कर दिया। 9 अगस्त, 1945 को अमेरिकी वायुसेना के मेजर चार्ल्स स्वीनी द्वारा संचालित 'बॉक्सकार' नामक यूएसएएएफ बी-29 विमान से 'फैट मैन' गिराया गया था।

ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई की सेहत पर अटकलें: सामने आया नया वीडियो क्या है इसकी सच्चाई

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई की सेहत को लेकर चिंताओं के बीच उनका कथित नया वीडियो सामने आया है। इस वीडियो को ईरान की अर्ध-सरकारी मेहर न्यूज एजेंसी ने शनिवार को जारी किया। इस बिना तारीख वाले वीडियो में मोजतबा खामेनेई की तबीयत ठीक दिखाई दे रही है। वह कुछ लोगों के साथ बैठके हुए हैं और उनसे बातचीत कर रहे हैं। जबकि सामने बैठे लोग उनकी बातों को ध्यान से सुनते हुए दिखाई दे रहे हैं। हालांकि, अभी यह पता नहीं चल पाया है कि यह वीडियो कब बनाया गया था। यह भी पुष्टि नहीं हुई है कि वीडियो में दिखाई दे रहा व्यक्ति मोजतबा खामेनेई ही है। हालांकि, शुक्रवार को ईरानवायर ने राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन के प्रशासन के करीबी सूत्रों के हवाले से बताया था कि मोजतबा खामेनेई के 'बेहद गंभीर हालत' में होने की अफवाहें चल रही हैं।

इस्राइली मीडिया ने क्या दावा किया : इस्राइल के कुछ मीडिया संस्थानों ने भी खबर दी कि मोजतबा 'गंभीर हालत' में हैं। जेरूसलम पोस्ट ने एक सूत्र के हवाले से कहा, अगर हमें जल्द ही उनकी शहादत की खबर सुनने को मिले तो हमें हैरानी नहीं होगी।

अली खामेनेई की मौत के बाद सर्वोच्च नेता बने मोजतबा : मोजतबा खामेनेई अपने पिता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद ईरान के सर्वोच्च नेता बने। उनके पिता की 28 फरवरी को अमेरिका और इस्राइल के संयुक्त हमलों में मौत हो गई थी। इन्हीं हमलों के बाद से युद्ध शुरू हुआ और अब भी जारी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इन्हीं हमलों में मोजतबा घायल हो गए थे और उनके शरीर को गंभीर नुकसान पहुंचने की भी आशंका जताई गई थी। उनका इलाज चल रहा है। हमले के बाद से वह सार्वजनिक रूप से दिखाई नहीं दिए हैं। सर्वोच्च नेता बनाए जाने के बाद भी वह सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आए। यहां तक कि पिछले महीने हुए अपने पिता के नमाज-ए-जनाजा में भी वह दिखाई नहीं दिए। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मोजतबा अपनी सुरक्षा के लिए ईरान के वरिष्ठ अधिकारियों से सीधे बात नहीं कर रहे हैं।

हिमांशी खुराना हत्याकांड का महीनों बाद खुला राज: एयरपोर्ट से साथी अब्दुल गफूरी गिरफ्तार, कनाडा में था वांटेड

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के टोरंटो में भारतीय मूल की 30 वर्षीय हिमांशी खुराना की दिसंबर में हुई हत्या के मामले में पुलिस ने महीनों बाद उनके साथी 32 वर्षीय अब्दुल गफूरी को एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया है। गफूरी पर फर्स्ट-डिग्री मर्डर का आरोप लगाया गया है और वह कनाडा-व्यापी वारंट के तहत वांछित था। पुलिस के अनुसार, पीड़िता और संदिग्ध एक-दूसरे को जानते थे। मामले में कानूनी कार्यवाही जारी है।

अब्दुल गफूरी को कहां से किया गया गिरफ्तार : टोरंटो निवासी गफूरी को शुक्रवार को एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों ने शनिवार को स्थानीय समयानुसार बताया कि उस पर खुराना की 'फर्स्ट-डिग्री मर्डर' यानी पूर्व नियोजित और जानबूझकर की गई हत्या का

आरोप लगाया गया है। अधिकारियों के अनुसार, टोरंटो पुलिस के भगोड़े आरोपियों को पकड़ने वाले दस्ते और हत्या की जांच करने वाली यूनिट ने गफूरी को कनाडा वापस लाने के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुलिस सेवाओं के साथ मिलकर काम किया।

किस देश में था गफूरी, पुलिस ने क्यों नहीं बताया : हालांकि, अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि गिरफ्तारी से पहले गफूरी किस देश में था। पुलिस की ओर से इस संबंध में कोई और जानकारी भी साझा नहीं की गई है। हिमांशी खुराना पिछले साल 20 दिसंबर को मृत पाई गई थीं। अधिकारियों ने बताया था कि इससे एक दिन पहले, 19 दिसंबर को स्ट्रैचन एवेन्यू और वेलिंगटन स्ट्रीट वेस्ट इलाके से एक व्यक्ति के लापता होने की सूचना मिली थी। अगले दिन पुलिस को उस समय दुखद जानकारी मिली, जब लापता महिला हिमांशी खुराना एक घर के अंदर मृत पाई गईं।

पुलिस को कब पता चला कि मामला हत्या का है : पुलिस ने पुष्टि की थी कि पीड़िता और संदिग्ध एक-दूसरे को जानते थे। शुरुआती जांच के बाद पुलिस ने इस मामले को हत्या के रूप में दर्ज किया था। टोरंटो स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने भारतीय मूल की महिला की हत्या पर दुख व्यक्त किया था। दूतावास ने कहा था कि अधिकारी पिछले कुछ दिनों से मामले पर बारीकी से नजर रख रहे हैं और कनाडाई अधिकारियों के साथ मिलकर परिवार को हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। अब्दुल गफूरी 'फर्स्ट-डिग्री मर्डर' के आरोप में कनाडा-व्यापी वारंट के तहत वांछित था। यह एक गंभीर आपराधिक आरोप है, जिसमें अदालत में हत्या के पूर्व नियोजन और इरादे को साबित किए जाने पर पैरोल के बिना आजीवन कारावास की सजा हो सकती है।

ब्राजील में हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त: जंगल में आग लगी, तीन महिलाओं समेत चार लोगों की मौत; कैसे हुआ हादसा

रियो डी जनेरियो, एजेंसी। ब्राजील के शहर रियो डी जनेरियो में एक हेलिकॉप्टर जंगल वाले इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दमकल विभाग ने बताया कि इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। हादसा शनिवार (स्थानीय समय) को सुबह करीब 11:11 बजे ऑल्टो दा बोआ विस्टा के विस्टा चिनेसा इलाके में हुआ। दमकल विभाग को घटनास्थल पर भेजा गया। बाद में घने पेड़-पौधों वाले इलाके में हेलिकॉप्टर का मलबा मिला। शिन्हुआ न्यूज एजेंसी के अनुसार, विशेष दलों ने जमीन के रास्ते हादसे वाली जगह तक पहुंचकर राहत और बचाव का काम शुरू किया। हेलिकॉप्टर गिरने के बाद वहां आग भी लग गई थी, जिसे बुझाने के लिए दमकल की टीमें तैनात

की गईं। हादसे में हेलीकॉप्टर का पायलट और कोलंबिया की तीन महिलाएं सवार थीं। तीनों महिलाएं एक ही परिवार की सदस्य थीं। अधिकारियों ने शुरुआत में चार लोगों की मौत की पुष्टि की। लेकिन मृतकों की पहचान और अन्य जानकारी अभी जारी नहीं की गई। रियो डी जनेरियो के मेयर ने क्या कहा रियो डी जनेरियो के मेयर एडुआर्डो कैवेलिएरे ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, विस्टा चिनेसा के पास तिजुका नेशनल पार्क में आज हुए हेलिकॉप्टर हादसे के पीड़ितों के परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं। उन्होंने बताया कि उन्होंने ब्राजील की विमानन एजेंसी (एएनएसी) के अधिकारियों से भी संपर्क किया है। उन्होंने कहा कि रियो प्रशासन ने एएनएसी से तुरंत कार्रवाई करने और निगरानी बढ़ाने को कहा है। साथ ही, शहर में लगातार बढ़ रही हेलिकॉप्टर उड़ानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की गई है। उन्होंने कहा कि जरूरी कदम उठाने और कार्रवाई में मदद के लिए रियो प्रशासन अपनी पूरी व्यवस्था एएनएसी को उपलब्ध कराएगा। इससे पहले जून में रियो के ऊपर दो हेलीकॉप्टर आपस में टकरा गए थे। मरने वालों में अमेरिकी गायक ओलिवर ट्री और अर्जेंटीना के यूट्यूबर गैस्पर प्रिम भी शामिल थे। पिछले साल ब्राजील के दक्षिण-पूर्वी राज्य साओ पाउलो के पर्यटन शहर उबातुबा में समुद्र तट के पास एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त होकर आग की चपेट में आ गया था।

शर्तें मानेगा अमेरिका, तभी खुलेगा होर्मुज': आईआरजीसीकी चेतावनी; ओमान से समझौते के कितने करीब ईरान

तेहरान, एजेंसी। यमनी सशस्त्र बलों ने ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों पर मारिब शहर में फिर से हमले करने का आरोप लगाया है। यमनी सेना के मुताबिक, इन हमलों में रिहायशी इलाकों और विस्थापित लोगों के रहने वाले शिविरों को बैलिस्टिक मिसाइलों से निशाना बनाया गया। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, यमनी सशस्त्र बलों ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर जारी एक बयान में शनिवार को हुए हमलों के लिए ईरान समर्थित हूतियों को जिम्मेदार ठहराया। बयान में कहा गया कि हमलों का निशाना मारिब शहर, उसके इलाकों और घनी आबादी वाले उन शिविरों को बनाया गया, जहां स्थानीय लोग और विस्थापित लोग रह रहे हैं।

हमले में दो लोगों की मौत और 14 घायल : इसी बीच, राष्ट्रपति नेतृत्व परिषद के सदस्य मेजर जनरल सुल्तान बिन अली अल-अरादा ने मारिब में सुरक्षा और सैन्य समिति के साथ एक बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल सगीर बिन अजीज भी शामिल हुए। हूती विद्रोहियों के मिसाइल और ड्रोन हमलों में दो लोगों की मौत हो गई और 14 अन्य घायल हो गए। एक सैन्य सूत्र के हवाले से बयान में कहा गया कि इन हमलों का जवाब उचित समय और उचित जगह पर दिया जाएगा। इस्लामी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने शनिवार को कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य दोबारा तभी खोला जाएगा, जब अमेरिका ईरान की शर्तों को 'पूरी तरह' स्वीकार करेगा। वहीं, तेहरान और ओमान ने कहा है कि वे इस अहम समुद्री मार्ग के लिए एक नए जहाजरानी प्रोटोकॉल पर समझौते के 'बहुत करीब' पहुंच गए हैं। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के लिए एक अहम समुद्री मार्ग है।

आईआरजीसी ने क्या कहा : आईआरजीसी के प्रवक्ता सरदार मोहेबी ने कहा कि जलडमरूमध्य को दोबारा खोलना 'कुछ खास व्यवस्थाओं और शर्तों' पर निर्भर करेगा। उनके अनुसार, जलडमरूमध्य तभी खोला जाएगा, जब अमेरिका ईरान की शर्तों को पूरी तरह स्वीकार करे और क्षेत्रीय बातचीत में दखल देना बंद करे। यह बयान उस समय आया, जब ईरानी अधिकारियों ने होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही के लिए नए प्रोटोकॉल और इस अहम समुद्री रास्ते को फिर से खोलने की शर्तों को लेकर ओमान के साथ बातचीत की।

अमेरिका के सामने ईरान ने क्या शर्तें रखीं : ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि ईरान और ओमान होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही के लिए नई व्यवस्था पर समझौते तक पहुंचने के 'बहुत करीब' हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि जलडमरूमध्य को फिर से खोलने से पहले कुछ अतिरिक्त शर्तें पूरी करनी होंगी। इनमें अमेरिका की ओर से ईरान को मुआवजा दिया जाना भी शामिल है। अल जजीरा के मुताबिक, ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव मोहम्मद बाघेर ज़ोलघद्र ने कई शर्तें बताईं। इनमें ईरान के खिलाफ अमेरिका की धमकियां बंद करना, फारस की खाड़ी के इस देश और उसके क्षेत्रीय सहयोगियों के खिलाफ सैन्य कार्रवाई रोकना, नाकाबंदी में शामिल नौसेना और वायुसेना की ताकतों को वापस बुलाना, संघर्ष के दौरान हुए नुकसान का मुआवजा देना, प्रतिबंध हटाना और ईरान की जब्त की गई संपत्तियों को फिर से जारी करना शामिल है।

लड़ाई में हथियार घटने से अमेरिका परेशान: ईरान जंग ने खोली पोल; पेंटागन ने डिफेंस कंपनियों को दिया नया टारगेट

तेहरान, एजेंसी। ईरान के साथ हालिया संघर्ष में अमेरिकी मिसाइल इंटरसेप्टर और अन्य गोला-बारूद के इस्तेमाल से हथियारों का भंडार काफी घट गया है। इसी चिंता के बीच पेंटागन ने रक्षा कंपनियों से उत्पादन क्षमता बढ़ाने और हथियारों की डिलीवरी में तेजी लाने की योजना मांगी है। कंपनियों को 21 दिनों के भीतर अपनी योजनाएं देने को कहा गया है। पैट्रियट और ञ्ञ्।ष्ठ जैसे अहम एयर डिफेंस इंटरसेप्टर के घटते स्टॉक ने अमेरिका के सामने अपने रक्षा भंडार को तेजी से फिर से भरने की चुनौती खड़ी कर दी है।

पेंटागन आखिर हथियारों का उत्पादन बढ़ाने पर इतना जोर क्यों दे रहा है : पेंटागन के प्रवक्ता शॉन पार्नेल ने शनिवार को एक बयान में कहा कि रक्षा विभाग गोला-बारूद की खरीद बढ़ाने के लिए तेजी से काम कर रहा है, ताकि 'हमारे सैनिकों को जरूरत और खतरे के मुताबिक तेजी से हथियार उपलब्ध कराए जा सकें।' उन्होंने पिछले हफ्ते इस प्रक्रिया में तेजी लाने के विभाग के प्रयासों की पुष्टि की। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह कदम रक्षा क्षमताओं के आधुनिकीकरण के उस व्यापक अभियान का हिस्सा है, जो पांच महीने पुराने संघर्ष से पहले ही शुरू हो चुका था।

डिफेंस कंपनियों को 21 दिनों में क्या योजना देने को कहा गया है : द वॉशिंगटन पोस्ट' को मिले एक मेमो के अनुसार, डिप्टी डिफेंस सेक्रेटरी स्टीव फीनबर्ग ने बुधवार को रक्षा उद्योग के नेताओं को पत्र लिखकर उनसे महत्वपूर्ण क्षमताओं के लिए डिलीवरी शेड्यूल को 'काफी तेज और आक्रामक' बनाने और/या उत्पादन बढ़ाने की योजनाएं जमा करने को कहा है। कंपनियों को यह योजना तैयार करने के लिए 21 दिनों से ज्यादा का समय नहीं दिया गया है। फीनबर्ग ने पत्र में लिखा हमें अपने कार्यक्रमों की समय सीमा तेजी से आगे बढ़ानी होगी और अभी अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ानी होगी।

ईरान के साथ लड़ाई के बाद अमेरिकी मिसाइल भंडार पर कितना असर पड़ा : एक नए विश्लेषण के

अनुसार, यह मेमो ऐसे समय में आया है, जब ईरान के साथ हालिया लड़ाई में अमेरिकी सेना के उन्नत मिसाइल इंटरसेप्टर का भंडार और कम हो गया है। इससे यह चिंता बढ़ गई है कि अगर लड़ाई दोबारा शुरू होती है, तो अमेरिकी सैनिकों के लिए खतरा और बढ़ सकता है। वॉशिंगटन स्थित थिंक टैंक 'सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज' के विश्लेषण के मुताबिक, पैट्रियट और ञ्ञ्।ष्ठ इंटरसेप्टर के घटते भंडार के कारण अमेरिका और उसके मध्य-पूर्वी सहयोगियों को अपने एयर डिफेंस सिस्टम की सुरक्षा के लिए अधिक जोखिम उठाना पड़ सकता है।

कम मिसाइलें होने पर अमेरिकी एयर डिफेंस के सामने क्या चुनौती होगी : विश्लेषण में कहा गया है कि अमेरिकी सेना ईरान की ओर से आने वाले ड्रोन और मिसाइलों के खिलाफ कम संख्या में इंटरसेप्टर दाग सकती है। इसका सीधा असर एयर डिफेंस की प्रभावशीलता पर पड़ सकता है और आने वाली मिसाइलों या ड्रोन के बच निकलने की संभावना बढ़ सकती है।

ट्रंप ने हथियारों की कमी की खबरों पर क्या कहा : हाल के दिनों में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गोला-बारूद की कमी से जुड़ी सार्वजनिक रिपोर्टों पर नाराजगी जताई है। गुरुवार को उन्होंने 'ट्रुथ सोशल' पर पोस्ट करते हुए कहा कि अमेरिका के पास 'भारी मात्रा में' हथियारों का भंडार है। जरूरत के हिसाब से बड़ी मात्रा में इनका उत्पादन किया जा रहा है और अमेरिका भेजा जा रहा है।

शनिवार को शॉन पार्नेल ने पुष्टि की कि हथियारों का उत्पादन तेजी से बढ़ाने के लिए फीनबर्ग की ओर से भेजा गया मेमो 'वास्तविक' है। उन्होंने कहा कि यह मेमो कांग्रेस के समक्ष फंडिंग के लिए पेश किए जाने वाले वित्त वर्ष 2028 के बजट की तैयारियों में मदद करेगा। पार्नेल ने इसे रक्षा औद्योगिक आधार को फिर से मजबूत करने के पेंटागन के जारी प्रयासों के अनुरूप बताया। कांग्रेस में फिलहाल रक्षा खर्च से जुड़ा एक विधेयक अटका हुआ है। सांसद ईरान के खिलाफ ट्रंप की सैन्य कार्रवाई को लेकर नाराज हैं और व्हाइट हाउस की उस मांग का विरोध कर रहे हैं, जिसमें पेंटागन का बजट पिछले साल के करीब 900 अरब डॉलर से बढ़ाकर 1.5 ट्रिलियन डॉलर करने की बात कही गई है।

फेसपैक रात के लिए

दलिया से बने फेसपैक को रात में आसानी से इस्तेमाल किया जा सकता है, जो काफी लाभप्रद होता है। इसे बनाने के लिए दो चम्मच दलिया लें। इसमें ऑयल की कुछ बूंद डालकर पेस्ट बना लें और इस पेस्ट में एक चम्मच शहद और 2-3 चम्मच नींबू का रस मिला लें। इस मिश्रण को चेहरे पर लगा लें। जब मिश्रण सूखने लगे तो स्क्रब कर लें बाद में निकाल दें। गर्म पानी से चेहरा धोएं।

जब सिर में हो खारिश

केले में शहद मिला कर मसल लें। उसमें प्याज का रस मिक्स करें। फिर इसे बालों की जड़ों में लगा कर 20 मिनट तक छोड़ दें और बाद में शैंपू कर लें। इस मास्क से रूसी खत्म होगी। जै तून का तेल लें और उसे गरम करें। उसमें शहद की कुछ बूंदें डालें और उससे सिर की कुछ देर मसाज करें। बीस मिनट के बाद सिर को शैंपू से धो लें। खारिश दूर हो जाएगी।

हाथों को सुंदर बनाने के टिप्स

खूबसूरत हाथ सभी को आकर्षित करते हैं। अपने हाथों को सुंदर बनाने के लिए आप मैनिक्योंर करवा कर हाथों को हमेशा नर्म और मुलायम बना सकती हैं। हाथों को खूबसूरत बनाएं रखने के लिए जानें ये मेनिक्योंर टिप्स-

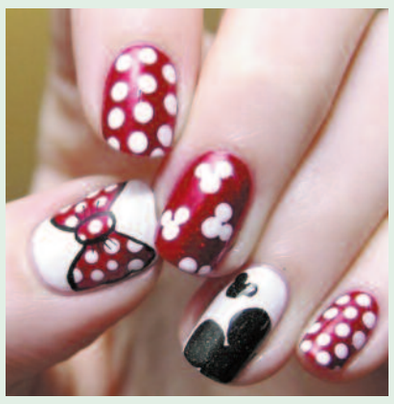

हाथ रुखे होने पर आप इनमें तेज खुशबू वाला लोशन लगाएं।

अक्सर नेलपॉलिश हटाने के बाद नेल्स रुखे हो जाते हैं ऐसे में आप नेल रिमूवर में कुछ बूंदें जोजोबा ऑयल की डालें और इसे नेपॉलिया हटाने केबाद नाखूनों पर लगाएं।

नेलपॉलिश को ज्यादा दिनों तक फ्रेश बनाए रखने के लिए शीशी के मुंह पर क्यूटिकल ऑयल लगाएं और शीशी बंद कर दें।

गीले हाथों पर नेल फाइलिंग न करें, क्योंकि गीले होने पर नाखून कमजोर हो जाते हैं। नाखूनों को एक ही दिशा में फाइल करें नहीं तो वे टूट भी सकते हैं।

घर सजाओ कुछ हटकर

होम डेकोर में कुशन, कर्टन, बेड कवर आदि की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, क्योंकि इनसे आप कम समय में घर का मेकओवर कर सकती हैं, इसलिए अलग-अलग उत्सव के लिए खास कलेक्शन रखें।

दीवारों पर सॉफ्ट कलर का पेंट है, तो एक्सेसरीज ब्राइट कलर की और दीवारों का कलर हाईलाइट करना हो, तो एक्सेसरीज सॉफ्ट रखें। घर का लुक अच्छा आता है।

पहले ही डिसाइड कर लें कि आपको कमरे का लुक एथनिक चाहिए या फिर मॉडर्न। इस बात को ध्यान में रखकर ही कमरे को सजाने की शुरूआत करनी चाहिए। कुशन और बेड कवर्स के साथ भी एक्सपेरिमेंट किया जा सकता है। अजकल मार्केट में कई तरह के कुशन कवर्स और बैड कवर्स उपलब्ध है जो आपके कमरे की सजावट को कॉम्प्लीमेंट करेगा। दीवारों पर भी रंग कुछ हटकर चुन सकते हैं। इससे कमरे की काया ही बदल जाएगी।

डाइनिंग टेबल डेकोर

घर की शोभा बढ़ाने में डाइनिंग टेबल का भी बड़ा हाथ होता है। डायनिंग टेबल से लिविंग रूम की शोभा चार गुना बढ़ती है और अगर यह ठीक से अरेंज हो तो इसकी खूबसूरती में चार चांद लगा देती है। डायनिंग टेबल सैट करते वक्त कुछ बातों को ध्यान में रखना चाहिए।

1. डानइनिंग टेबल साफ रखें। अपनी डायनिंग टेबल को हमेशा साफ रखें। अगर आपके घर पर पार्टी है या फिर गेस्ट आने वाले हैं तो अपनी डायनिंग टेबल को पोंछ कर ही उस पर नैपकिंस और पलेट्स सजाएं।
* डाइनिंग टेबल पर टेबल मैट ऐसा होना चाहिए चाहिए जो दिखने में खूबसूरत होने के साथ-साथ साफ करने में भी आसान हो।
* टेबल पर बीचों-बीच एक सेंटर पीस रख देने से टेबल पर रखें अन्य समान अपनी जगह पर ठीक से अरेंज हो जाएंगे। सेंटर पीस के रूप में आप फूलों का वास या शो पीस आदि रख सकती हैं। अगर आपको सेंटरपीस नहीं रखने का मन है तो आप वहां पर नैपकिन का सेट भी रख सकती हैं।
* कटलरी परोसे गए खाने के आइटम के हिसाब से होनी चाहिए। इसे बाहर से अंदर के हिसाब से रखना चाहिए।
* डाइनिंग टेबल पर ज्यादा भीड़ न लगाएं. डिनर के लिए अपने डायनिंग टेबल को यूजर फ्रेंडली बनाइए। वहां पर केवल वही चीजें रखें जिनकी जरूरत हों।

बटुआ बना नया फैशन ट्रेंड

यह सच है कि फैशन हर पल बदलता रहता है। इन दिनों बटुओं को सबसे ज्यादा फैशन है। जहां पहले लड़कियां बड़े बैग्स कैरी करना पसंद करती थीं वहीं इन दिनों बड़े बैग की जगह उनके हाथों में छोटा बटुआ देखने को मिलता है। कमाल की बात यह है कि ये बटुए हर शेप, साइज और रंग में मिलते हैं। इन बटुओं की खासीयत यह है कि इन्हें आप हाथ में रख सकती है और साथ ही जब चाहें कंधे पर टांग भी सकती हैं।

यह हर ड्रेस के हिसाब से मैंचिग की जा सकती है। अब आपको इंडियन आउटफिट पसंद हो या वेस्टर्न बटुआ हर ड्रेस के साथ मैच हो जाता है। बटुए अब हर तरह के मैटीरियल में उबलब्ध हैं। लैदर, रैक्सीन, जूट, कपड़े में यह मार्केट में पाए जाते हैं। एम्ब्रॉएडरी, सीक्वेंस वर्क, स्टोन वकआदि हर रूप में पाया जाता है। बटुआ हर एज ग्रुप को इम्प्रेस करता है। चहे फिर वह कॉलेज गोइंग गर्ल्स हो या फिर हाउसवाइफ या फिर वर्किंग वुमन। यह सबका फेवरेट है।

जन संवाद में 39 शिकायतें मिलीं

जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने दिए त्वरित कार्रवाई के निर्देश

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : आम जनमानस की समस्याओं के समाधान के लिए जिलाधिकारी विशाल मिश्रा की अध्यक्षता में सोमवार को जिला कार्यालय सभागार में जन संवाद (जन सुनवाई कार्यक्रम) आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों से जुड़ी कुल 39 शिकायतें दर्ज की गईं। इनमें से 15 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष शिकायतों को संबंधित विभागों को भेजकर शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए गए। ज्येष्ठ प्रमुख जखोली नवीन सेमवाल ने उच्छेला, मध्यागांव, भुनालगांव, बक्सीर, डांगी, खोड़ आदि गांवों में मोबाइल नेटवर्क न होने की समस्या उठाई। उन्होंने मांग की कि जी राम जी योजना के तहत ऑनलाइन प्रक्रिया संभव न होने तक विकास कार्यों के लिए ऑफलाइन स्वीकृति दी जाए ताकि कार्य समय पर पूरे हो सकें। उच्छेला प्रधान चंडी कुमार ने छेनागाड़ से उच्छेला मोटर मार्ग पर सुरक्षा दीवार लगाने, मार्ग को यातायात के लिए सुचारू करने, क्षतिग्रस्त पैदल पुल व पैदल मार्ग के पुनर्निर्माण और सिंचाई गूल के निर्माण की मांग रखी। जवाड़ी निवासी देवी प्रसाद नौटियाल ने बताया कि भूस्खलन से उनके आवासीय भवन को खतरा है। उन्होंने सुरक्षा दीवार बनवाने के साथ ही घर में लगातार बनी पेयजल समस्या का समाधान करने की मांग भी की। वर्ष 2013 की आपदा का जिक्र करते हुए उच्छेला निवासी ईश्वर सिंह ने गाड़ नामी तोक जंदरवाड़ी में क्षतिग्रस्त पुल के पुनर्निर्माण की मांग की। महिला मंगल दल क्यूड़ी की अध्यक्ष आशा देवी ने जंगली जानवरों से फसलों को हो रहे नुकसान पर वन विभाग से कार्रवाई की मांग की। इस तरह अलग-अलग विभागों से संबंधित कुल 39 शिकायत दर्ज की गई। शिकायतें सुनने के बाद जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार प्रत्येक सोमवार को जन सुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जन सुनवाई कार्यक्रम में प्राप्त शिकायतों के समाधान को लेकर संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा, जिला विकास अधिकारी मनविंदर कौर, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. पारूल गोयल, उप जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग सोहन सिंह सैनी, ऊखीमठ अनिल रावत,पीएमजीएसवाई पवन कुमार, प्रभारी शिकायत प्रकोष्ठ विनोद कुमार सहित अन्य विभागीय अधिकारी एवं शिकायतकर्ता मौजूद रहे।

आरटीओ ने डीएम मिश्रा को भेंट की 8 प्रेरणादायक पुस्तकें

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : ज्ञान के प्रसार और युवाओं में पढ़ने की आदत विकसित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी विशाल मिश्रा द्वारा चलाए जा रहे एक पुस्तक दान करें, ज्ञान का वृक्ष लगाएं अभियान को संभागीय परिवहन अधिकारी धर्मेंद्र सिंह बिष्ट ने नई गति दी। इस अभियान के तहत बिष्ट ने जिलाधिकारी विशाल मिश्रा को 8 महत्वपूर्ण पुस्तकें भेंट कीं। ये पुस्तकें कलेक्टरेट पुस्तकालय में रखी जाएंगी, जिससे अधिकारी, कर्मचारी और आमजन लाभान्वित हो सकें। इस अवसर पर आरटीओ धर्मेंद्र सिंह बिष्ट ने कहा कि किताबें किसी भी समाज की तरक्की की नींव हैं। एक पुस्तक दान करें, ज्ञान का वृक्ष लगाएं अभियान का मकसद हर घर तक ज्ञान पहुंचाना है। अगर हर व्यक्ति एक पुस्तक दान करे तो हमारे जिले में ज्ञान का बड़ा पुस्तकालय बन सकता है। जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ये पुस्तकें व्यक्तित्व विकास, वित्तीय साक्षरता और नेतृत्व क्षमता बढ़ाने में मददगार साबित होंगी। उन्होंने अन्य अधिकारियों और सामाजिक संस्थाओं से भी इस अभियान से जुड़कर पुस्तकें दान करने की अपील की। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी मनविंदर कौर व अन्य मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

दैनिक जीवन में नियमित योगाभ्यास अपनाने के लिए किया प्रेरित

जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडौन : गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर, लैंसडाउन में छः दिवसीय ह्यशास्त्रीय हठ योग कार्यशालाह्न का सफल आयोजन किया गया। समापन समारोह में माननीय सेंटर कमांडेंट ब्रिगेडियर विनोद सिंह नेगी, विशिष्ट सेवा मेडल, गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर ने योग प्रशिक्षकों राम निवास एवं नेहा तोमर को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने उत्तम शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन एवं कार्यक्षमता बढ़ाने हेतु दैनिक जीवन में नियमित योगाभ्यास अपनाने के लिए सभी को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर की यह पहल सैनिकों एवं उनके परिवारों के शारीरिक एवं मानसिक कल्याण की दिशा में एक अत्यंत सराहनीय एवं महत्वपूर्ण कदम है। इस कार्यशाला का संचालन ईशा फाउंडेशन के सद्गुरु गुरुकुलम से प्रशिक्षित शास्त्रीय हठ योग प्रशिक्षकों राम निवास एवं नेहा तोमर द्वारा किया गया। छः दिनों तक चले इस शिविर में प्रशिक्षित योग प्रशिक्षकों द्वारा प्रामाणिक योग अभ्यास, ध्यान, प्राणायाम तथा स्वस्थ जीवन शैली से संबंधित विभिन्न सत्रों का संचालन किया गया। इस योग शिविर का उद्घाटन ब्रिगेडियर विनोद सिंह नेगी, विशिष्ट सेवा मेडल, कमांडेंट, गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर द्वारा किया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य सैनिकों एवं उनके परिवारजनों में स्वस्थ जीवन शैली को प्रोत्साहित करना, मानसिक स्वास्थ्य, शारीरिक फिटनेस तथा तनाव प्रबंधन की क्षमता विकसित करना एवं समग्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। इसके अंतर्गत प्रतिदिन निर्धारित समय पर योगाभ्यास कराया गया, जो न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहायक है, बल्कि मानसिक संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस छः दिवसीय शिविर में गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर में अधिकारी, जवान एवं उनके परिवारजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

2 लाख 38 हजार श्रद्धालु कर चुके हेमकुंड साहिब के दर्शन

ज्योतिर्मठ। हेमकुंड साहिब के कपाट इस साल 10 अक्तूबर को बंद कर दिए जाएंगे। 15 हजार फीट से अधिक की ऊंचाई पर स्थित हेमकुंड साहिब की यात्रा में इस साल अभी तक दो लाख 38 हजार श्रद्धालु मत्था टेकने पहुंच चुके हैं। हेमकुंड साहिब में आने वाले श्रद्धालुओं की यह सबसे बड़ी संख्या है।

गुरुद्वारा श्री हेमकुंड साहिब मैनेजमेंट ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेंद्र जीत सिंह बिंद्रा ने बताया कि हेमकुंड साहिब की वार्षिक यात्रा 10 अक्तूबर को औपचारिक रूप से बंद कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि इस साल अब तक दो लाख 38 हजार श्रद्धालुओं को पवित्र धाम के दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से अपील की है कि करीब दो माह के शेष समय में आकर हेमकुंड साहिब के दर्शन कर यहां की प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लें।

इन दिनों हेमकुंड साहिब में फूलों की घाटी की तर्ज पर विभिन्न प्रकार के फूल खिले हुए हैं। ब्रह्मकमल भी गुरुद्वारे के आसपास खिले हुए हैं। इससे क्षेत्र का नजारा बहुत ही मनमोहक बना हुआ है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से अपील की कि वे 10 अक्तूबर से पहले अपनी यात्रा पूरी कर लें। इसके बाद उच्च हिमालयी क्षेत्र में बर्फबारी शुरू हो जाती है।

नंदा देवी बड़ी जात को लेकर 13 को होगी बैठक

नंदानगर। नंदा देवी की बड़ी जात के आयोजन को लेकर 13 अगस्त को नंदा देवी मंदिर सिद्धपीठ कुरुड़ में बैठक आयोजित की जा रही है। बड़ी जात आयोजन समिति के अध्यक्ष कर्नल (सेवानिवृत्त) हरेंद्र सिंह रवत ने कहा कि पांच सितंबर से होने वाली बड़ी जात को इस बैठक में अंतिम रूप दिया जाएगा। नंदा देवी मंदिर सिद्धपीठ कुरुड़ के प्रांगण में होने वाली इस बैठक में परगना बधाण, परगना दशोली, और परगना बंड, कुरुड़ गांव के सभी गौड़ पुजारी, सभी मंदिर समितियों के अध्यक्ष, पुजारी, राजजात समिति नौटी व कुमाऊं के अध्यक्ष, महासचिव, आयोजन समिति के सदस्य, पड़ाव अध्यक्ष सहित अन्य क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि व गणमान्य लोग शामिल होंगे। साथ ही सभी राजनीतिक दलों, महिला मंगलदल व युवक मंगल दलों के अध्यक्षों को भी बैठक में आमंत्रित किया गया है।

सरकारी नीतियों में शामिल किए जाएंगे छात्र-छात्राओं के सुझाव : धामी

सीएम धामी बोले आज के विद्यार्थी ही भविष्य में उत्तराखंड और देश का नेतृत्व करेंगे

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को मुख्यमंत्री आवास स्थित मुख्य सेवक सदन में आयोजित मुख्यमंत्री युवा विद्यार्थी मंथन कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने ह्लमुख्यमंत्री युवा विद्यार्थी मंथनह्न पोर्टल का भी शुभारंभ किया।

इसी के साथ विद्यालयी छात्र-छात्राओं के बीच होने वाली ह्लमेरे सपनों का उत्तराखण्डः एक विकसित राज्य हेतु मेरा दृष्टिकोणह्न विषय की निबंध प्रतियोगिता का शुभारंभ हो गया है। मुख्यमंत्री ने छात्रों के सुझावों को गंभीरता से लेते हुए स्वयं नोट किया और अधिकारियों को इनके अनुरूप कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि छात्र-छात्राओं द्वारा दिए गए सुझावों को सरकार की नीतियों में भी शामिल किया जाएगा।

आयोजन के दौरान विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि इस निबंध प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रदेश के 140 बच्चों को सम्मानित किया जाएगा। साथ ही इन चयनित छात्र-छात्राओं का प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षाओं की कोचिंग सहित एवं अन्य आवश्यक शुल्कों का वहन भी राज्य सरकार द्वारा किया जाएगा। मुख्यमंत्री से संवाद के दौरान छात्र-छात्राओं ने खेलों को बढ़ावा देने, सप्ताह में चार दिन खेल पीरियड आयोजित करने, विद्यालयों में मिल रहे विभिन्न अवसरों को और बढ़ाने, उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उत्तराखंड को अग्रणी बनाने, राज्य में पर्यटन गतिविधियों को प्रोत्साहित करने तथा विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देने सहित विभिन्न सुझाव दिए। संवाद के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि छात्र-छात्राएं देश का वर्तमान और भविष्य हैं। कहा कि विद्यार्थियों को अपने सपनों को साकार करने की ओर आगे बढ़ना चाहिए। परीक्षा में नंबरों से ज्यादा विषयों की समझ होना जरूरी है। जीवन में संस्कार और अनुशासन अपनाने से सफलता अवश्य मिलती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छात्र-छात्राओं को पढ़ने के तरीके को बदलने की आवश्यकता है। पढ़ाई को बोझ नहीं बल्कि भविष्य संवारने के रास्ते के तौर पर देखना होगा। कहा कि छात्र-छात्राओं को अपने जीवन में लीडर बनकर आगे बढ़ना है। लीडर वो होता है जो अपने क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ काम करता है। उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता स्वयं आगे बढ़ने में नहीं, बल्कि दूसरों को आगे बढ़ाने में है। उन्होंने कहा कि हम सभी को अपनी प्रतिभा और ऊर्जाका सकारात्मक दिशा में उपयोग करते हुए समाज और प्रदेश के विकास में योगदान देना चाहिए।

बस नाम का पीजी कॉलेज, जरूरी विषय ही नहीं

पुरोला। बर्फिया लाल जुवांठा पीजी कॉलेज कुरुड़ा पुरोला में लंबे समय से संचालित नहीं हो रहे महत्वपूर्ण विषयों को शुरू करने की मांग तेज हो गई है। छात्रों का कहना है कि विषयों के अभाव में क्षेत्र के सैकड़ों विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए दूसरे शहरों का रुख करना पड़ रहा है। आर्थिक रूप से कमजोर और दूरस्थ क्षेत्रों के छात्र–छात्राओं के लिए बाहर जाकर पढ़ाई करना संभव नहीं है जिससे उनकी शिक्षा प्रभावित हो रही है।

इसी मांग को लेकर छात्रसंघ अध्यक्ष गोविन्द सिंह ने उच्च शिक्षा सचिव डॉ. वीआर पुरुषोत्तम को उपजिलाधिकारी पुरोला के माध्यम से ज्ञापन भेजा। ज्ञापन में कहा गया कि महाविद्यालय में स्नातक स्तर पर भूगोल, संस्कृत, गृह विज्ञान और चित्रकला जैसे महत्वपूर्ण विषय संचालित नहीं हैं। वही स्नातकोत्तर स्तर पर इतिहास, अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान और समाजशास्त्र विषय भी शुरू नही किए गए हैं।

बाबा केदार के दर्शन के लिए उमड़ा आस्था का सैलाब

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : जिलाधिकारी विशाल मिश्रा के कुशल मार्गदर्शन में केदारनाथ यात्रा सफलता के नए रिकॉर्ड स्थापित कर रही है। श्रावण माह के अंतिम सोमवार के पावन अवसर पर बाबा केदारनाथ के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला। सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा केदारनाथ के दर्शन के लिए धाम पहुंचते रहे। अब तक 14,45,946 श्रद्धालु बाबा केदारनाथ के दर्शन कर चुके हैं, जो यात्रा की सफलता और श्रद्धालुओं की अटूट आस्था को दर्शाता है।

केदारनाथ धाम पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षित यात्रा को लेकर जिला प्रशासन की ओर से व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं। धाम में श्रद्धालुओं के रहने, भोजन, पेयजल, स्वास्थ्य, स्वच्छता और अन्य आवश्यक सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। प्रशासन की टीमें लगातार व्यवस्थाओं की निगरानी कर श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने में जुटी हैं। श्रावण माह के अंतिम सोमवार को धाम में बाबा केदार के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय नजर आया। देशभर से पहुंचे श्रद्धालुओं ने बाबा केदार के दर्शन कर सुख-समृद्धि और मंगल की कामना की।

पौधा रोपण के साथ पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कल्पतरू सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था की ओर से गुलरझाला मंदिर और आसपास के क्षेत्रों में पौधा रोपण अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान संस्था के सदस्यों ने विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपने के साथ ही उनके संरक्षण का संकल्प भी लिया। इस दौरान क्षेत्र में जागरूकता रैली निकालकर लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया।

संस्था की अध्यक्ष कल्पना ने कहा कि पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए अधिक से अधिक पौधा रोपण किया जाना जरूरी है। पौधे न केवल पर्यावरण को स्वच्छ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, बल्कि धरती पर जीवन के लिए भी आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि यदि हम आज पौधों का संरक्षण नहीं करेंगे तो आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ हवा और बेहतर पर्यावरण उपलब्ध कराना मुश्किल होगा। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान संस्था के सदस्यों ने घर-घर जाकर लोगों को पौधा रोपण के लिए प्रेरित किया। लोगों को पौधों के महत्व और उनके संरक्षण के बारे में भी जानकारी दी गई। जागरूकता रैली के माध्यम से लोगों से अपने आसपास अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने की अपील की गई। अभियान के तहत गुलरझाला मंदिर और आसपास के विभिन्न स्थानों पर आम, अमरूद सहित अन्य प्रजातियों के करीब 50 से 60 पौधे रोपे गए। संस्था के सदस्यों को लगाए गए पौधों की देखभाल और संरक्षण की जिम्मेदारी भी सौंपी गई, ताकि पौधों को नियमित रूप से पानी मिलने के साथ ही उन्हें नुकसान से बचाया जा सके। संस्था पदाधिकारियों ने कहा कि पौधा रोपण केवल एक दिन का अभियान न रहकर निरंतर चलने वाली प्रक्रिया होनी चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति को अपने आसपास पौधे लगाने के साथ उनके संरक्षण की जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए।

श्री कालेश्वर महादेव मंदिर में भव्य भंडारे का आयोजन

जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडौन : कालेश्वर मंदिर, गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर का एक महत्वपूर्ण धार्मिक एवं आध्यात्मिक स्थल है। मंदिर में गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर के जवानों द्वारा प्रत्येक रविवार को नियमित रूप से पूजा-अर्चना एवं आध्यात्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इन कार्यक्रमों के माध्यम से जवानों में आध्यात्मिक चेतना, मानसिक शांति, सकारात्मक ऊर्जा एवं आपसी सौहार्द की भावना को बढ़ावा मिलता है। मान्यता के अनुसार, 'कालुंडांडा' शब्द 'कालू' अर्थात काला और 'डांडा' अर्थात पर्वत श्रृंखला से मिलकर बना है। यह क्षेत्र मुख्यतः बांज एवं बुरांश के घने वनों से आच्छादित था, जो दूर से देखने पर विशेषकर धुंधले एवं कोहरे वाले मौसम में गहरे अथवा काले रंग का दिखाई देता था। इसी कारण इस स्थान का नाम 'कालुंडांडा' पड़ा माना जाता है। वर्ष 1887 नवम्बर माह में गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंट के इस क्षेत्र में आगमन के पश्चात् रेजिमेंट की धार्मिक एवं आध्यात्मिक परंपराओं को बनाये रखने के उद्देश्य से वर्ष 1901 में इस मंदिर का निर्माण कराया गया। जो आज श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। इसी पावन परम्परा का निर्वहन करते हुए श्रावण मास के अंतिम सोमवार को गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर, लैंसडाउन के कमांडेंट ब्रिगेडियर विनोद सिंह नेगी, विशिष्ट सेवा मेडल के निर्देशन में श्री कालेश्वर महादेव मंदिर परिसर में भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। इस दौरान भारी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर द्वारा श्रावण मास के पावन अवसर पर प्रतिवर्ष इस धार्मिक आयोजन की परंपरा को पूर्ण श्रद्धा एवं उत्साह के साथ निभाया जाता है। इस अवसर पर परिवार कल्याण संगठन (जीआरआरसी) की अध्यक्षा रेखा नेगी, सैन्य अधिकारी, सैनिक एवं उनके परिजनों सहित स्थानीय लोगों ने उत्साह पूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के समापन पर कमांडेंट ने कहा कि गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर द्वारा आयोजित यह धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखने के साथ-साथ समाज में सेवा, सद् भाव आस्था और मानवीय मूल्यों को सुदृढ़ करने का कार्य करता है। कहा कि सेना और स्थानीय नागरिकों के बीच ऐसी सक्रिय सहभागिता से सामजिक एकता एवं पारस्परिक सहयोग की भावना और अधिक प्रबल होती है।

ईएनटी डॉक्टर के बिना जिला अस्पताल में भटक रहे लोग

नई टिहरी। जिला अस्पताल बौराड़ी में करीब एक साल से ईएनटी चिकित्सक नहीं होने से कान, नाक और गले से संबंधित बीमारियों के मरीजों को उपचार के लिए परेशान होना पड़ रहा है। अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सक नहीं होने के कारण मरीजों को उपचार के लिए नरेंद्रनगर, ऋषिकेश और देहरादून जाना पड़ रहा है। इससे मरीजों को अतिरिक्त खर्च के साथ समय भी गंवाना पड़ रहा है जिला मुख्यालय स्थित अस्पताल में रोजाना बड़ी संख्या में मरीज उपचार के लिए पहुंचते हैं। इनमें कान दर्द, कान में संक्रमण, सुनने में परेशानी, कान से पानी या मवाद आने, नाक बंद रहने, साइनस, टॉन्सिल, गले में संक्रमण से जुड़ी दिक्कतों वाले मरीज शामिल रहते हैं। ईएनटी डॉक्टर नहीं होने के कारण ऐसे मरीजों को दूसरे अस्पतालों की ओर भेजना पड़ता है जिले में एकमात्र ईएनटी चिकित्सक नरेंद्रनगर स्थित उप जिला अस्पताल में कार्यरत हैं। नरेंद्रनगर जिला मुख्यालय से करीब 52 किलोमीटर दूर है। ऐसे में बौराड़ी अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों को विशेषज्ञ से परामर्श और जांच के लिए नरेंद्रनगर जाना पड़ता है। जटिल मामलों में मरीजों को ऋषिकेश, देहरादून के अस्पतालों का रुख करने को मजबूर होना पड़ रहा। पर्वतीय क्षेत्र में मरीजों और उनके परिजनों के लिए बार–बार लंबी दूरी तय करना आर्थिक दृष्टि से परेशानी का कारण बन रहा है।

मुख्यमंत्री ने मातृशक्ति से किया सीधा संवाद

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को देहरादून के भाऊवाला में तीज उत्सव के अवसर पर आयोजित महिला संवाद कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मानित किय। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं से खुलकर संवाद करने का आग्रह करते हुए कहा कि सरकार की नीतियां तभी अधिक प्रभावी बनती हैं जब उनमें जनता की आवाज और अनुभव शामिल होते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उत्तराखंड की मातृशक्ति आने वाले समय में भी राज्य के विकास और समृद्धि की सबसे बड़ी शक्ति बनेगी तथा 'सशक्त नारी-समृद्ध उत्तराखंड' का संकल्प साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। मुख्यमंत्री ने सभी महिलाओं को तीज पर्व और स्वतंत्रता दिवस की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए उनके स्नेह, विश्वास और आशीर्वाद के प्रति आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड की वास्तविक शक्ति उसकी मातृशक्ति है, जिसने कठिन परिस्थितियों में परिवार, समाज और राज्य को नई दिशा देने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड राज्य निर्माण के संघर्ष से लेकर आज के विकास यात्रा तक महिलाओं की भूमिका सदैव प्रेरणादायी रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज प्रदेश की महिलाएं केवल घरेलू दायित्वों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि स्वयं सहायता समूहों, स्वरोजगार, स्थानीय उत्पादों, कृषि, बागवानी, होमस्टे, उद्यमिता और तकनीक आधारित गतिविधियों के माध्यम से आत्मनिर्भरता की नई मिसाल प्रस्तुत कर रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य महिलाओं को केवल योजनाओं का लाभ देना नहीं, बल्कि उन्हें अवसर, सम्मान, नेतृत्व और निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं के उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराने के लिए 'हाउस ऑफ हिमालयाज' जैसे मंच विकसित किए जा रहे हैं, जबकि 'ड्रोन दीदी', 'सोलर सखी' और 'महिला सारथी' जैसी योजनाओं के माध्यम से उन्हें आधुनिक तकनीक और नए आर्थिक अवसरों से जोड़ा जा रहा है।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

WWE इतिहास में ब्रॉक लैसनर की सबसे खतरनाक फाइट्स

बिग शो के साथ तो टूट गया था पूरा रिंग

नई दिल्ली। ड्ड्श्व के महान रेसलर ब्रॉक लैसनर ने पिछले हफ्ते समरस्लैम 2026 के बाद कंपनी को अलविदा कह दिया। मंडे नाइट रॉ के पिछले एपिसोड में ब्रॉक को ट्रिब्यूट दिया गया और उनका नाम एल्यूमिनी लिस्ट में भी डाला गया। उनके करियर का अंत जरूर हार के साथ हुआ लेकिन पिछले 26 साल के करियर में लैसनर ने कई बड़ी उपलब्धियां हासिल कीं। उनके करियर में कई ऐसे यादगार मैच भी रहे जब रिंग या तो खून से लाल रंग में तब्दील हो गया। या एक बार पूरा रिंग ही टूट गया। ब्रॉक लैसनर के करियर की ऐसी ही पांच खतरनाक फाइट्स के बारे में बात करेंगे। इसमें उनकी द अंडरटेकर, जॉन सीना, रोमन रेंस, बिग शो और कोडी रोड्स जैसे बेहतरीन रेसलर्स से हुए मुकाबलों का विवरण है। इसमें से एक मैच उनका और बिग शो का बहुत मशहूर हुआ था जब रिंग ही चारों तरफ से टूट गया था।

- **ब्रॉक लैसनर बनाम बिग शो- स्मैकडाउन, जून 2003-** 2003 में WWE का एक दौर था जब ब्रॉक लैसनर और बिग शो के बीच खतरनाक राइवलरी देखने को मिलती थी। उसी बीच जून 2003 में ब्रॉक लैसनर और बिग शो का मुकाबला एक स्मैकडाउन के शो में हुआ। WWE चैंपियनशिप के लिए हो रहे इस मुकाबले में दोनों के बीच बेहतरीन टक्कर देखने को मिली। इसी दौरान लैसनर ने रस्सी के ऊपर खड़े होकर 500 पाउंड के बिग शो को सुपरप्लेक्स दिया। जैसे दोनों रेसलर रिंग के बीच में गिरते हैं तो रिंग ही चारों तरफ से टूट गया। यह कंपनी के इतिहास में पहली बार देखने को मिला था। इसलिए यह मैच WWE में ब्रॉक लैसनर के सबसे यादगार फाइट्स में से एक है।
- **ब्रॉक लैसनर बनाम जॉन सीना- WWE E&treme Rules 2012-** ब्रॉक लैसनर ने 2012 में अपने दूसरे कार्यकाल के दौरान कंपनी में वापसी की थी। उस समय उनकी राइवलरी थी जॉन सीना के साथ दोनों के बीच एक्ट्रीम रूल्स 2012 में कांटे की टक्कर देखने को मिली। इस मैच में दोनों रेसलर खून से लथपथ थे। लैसनर ने शुरुआती क्षणों में ही अपनी कोहनी से सीना का सिर लहूलुहान कर दिया था। इस मैच में इसके बाद मेटल चेन जैसे कई खतरनाक उपकरण भी इस्तेमाल हुए।
- **ब्रॉक लैसनर बनाम द अंडरटेकर- WWE No Mercy 2002-** ब्रॉक लैसनर ने 2002 में कंपनी में डेब्यू किया था। उस वक्त उनका नाम मेन रोस्टर में आत ही चर्चा का विषय था। लैसनर ने उस समय के दिग्गज हल्क होगन को हराकर सभी को चौंकाया था। फिर उनका सामना होना था डेडमैन द अंडरटेकर के साथ। नो मर्सी 2002 में दोनों की फाइट तय हुई। इस मैच को जाल में कराया गया। मैच शुरू होने के कुछ ही देर बाद अंडरटेकर के एक प्रहार से लैसनप का माथा लहूलुहान हो गया था। फिर लैसनर ने भी अंडरटेकर पर स्टील की सीढ़ियों से प्रहार किया और वह भी खून से लथपथ हो गए।
- **ब्रॉक लैसनर बनाम रोमन रेंस- WWE WrestleMania 31, 2014-** 2014 का यह वो दौर था जब लैसनर को दोबारा वापसी करे दो साल हो चुके थे। वहीं नए स्टार रोमन रेंस को कंपनी पुश कर रही थी। उसी बीच रेसलमेनिया 31 में दोनों का मैच फाइनल हुआ। उस मुकाबले में उम्मीद के मुताबिक लैसनर ने रोमन रेंस को खूब छकाया। इस मुकाबले में दोनों के बीच कांटे की टक्कर हुई। अंत में दोनों फाइटर्स लहूलुहान थे। व

संक्षिप्त समाचार

उत्तर प्रदेश टी-20

भुवी की लखनऊ फाल्कन्स की नजर टूर्नामेंट की ट्रॉफी पर

बोले- युवाओं के लिए है बड़ा प्लेटफॉर्म

लखनऊ। यूपी टी20 लीग 2026 का आगाज 14 अगस्त से होगा। लखनऊ फाल्कन्स के कप्तान भुवनेश्वर कुमार ने लीग को युवा खिलाड़ियों के लिए बड़ा प्लेटफॉर्म बताया। उन्होंने टीम की तैयारियों और इस बार ट्रॉफी जीतने की उम्मीद भी जताई। युवा खिलाड़ी आराध्य यादव ने भी सीनियर खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने को अपने करियर के लिए अहम बताया। यूपी टी20 लीग की शुरुआत 14 अगस्त 2026 से होगी। टूर्नामेंट के मुकाबले दो शहरों लखनऊ और कानपुर में खेले जाएंगे। टूर्नामेंट से पहले लखनऊ फाल्कन्स के कप्तान भुवनेश्वर कुमार ने मीडिया से बातचीत की। (फोटो सोर्स- विशेष व्यवस्था) यूपी टी20 लीग का नया सीजन 14 अगस्त से शुरू होना है। इस बार लीग के मुकाबले दो वेन्यू लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम और कानपुर के ग्रीनपार्क स्टेडियम में खेले जाएंगे। टूर्नामेंट के आगाज से पहले भारतीय टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार और युवा खिलाड़ी आराध्य यादव ने लीग के महत्व और अपनी टीम 'लखनऊ फाल्कन्स' की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की।

यूपी टी20 लीग युवा खिलाड़ियों के लिए बेहतरीन अवसर- लखनऊ फाल्कन्स के कप्तान भुवनेश्वर कुमार ने यूपी टी20 लीग को युवा प्रतिभाओं के लिए एक बड़ा प्लेटफॉर्म बताया। भुवनेश्वर कुमार ने कहा, ''यूपी टी20 लीग युवा खिलाड़ियों के लिए बेहद शानदार अवसर है। लीग में कई इंटरनेशनल खिलाड़ी खेल रहे हैं। युवा खिलाड़ियों को उनके साथ ड्रेसिंग रूम शेयर करने का मौका मिलता है'' भुवनेश्वर कुमार ने कहा, ''खिलाड़ी अपनी योग्यता और प्रदर्शन के दम पर आगे बढ़ सकते हैं।

वैभव अर्धशतक से चूके, सार्थक रंजन ने लगाई हाफ सेंचुरी

नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने न्यू दिल्ली टाइगर्स को हराया

नई दिल्ली। दिल्ली प्रीमियर लीग 2026 के 18वें मैच में सार्थक रंजन की कप्तानी वाली नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने न्यू दिल्ली टाइगर्स को 7 विकेट से हरा दिया। ये नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स की इस लीग में चौथे मैच में दूसरी जीत रही और इस टीम के फिलहाल 5 अंक हो चुके हैं। सार्थक रंजन को उनकी शानदार पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया और वो इस सीजन में काफी अच्छा प्रदर्शन भी कर रहे हैं। नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स और न्यू दिल्ली टाइगर्स

के बीच खेले गए मैच में नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया और इसके बाद न्यू दिल्ली टाइगर्स ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 161 रन बनाए। नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स को जीत के लिए 162 रन का टारगेट मिला था और इस टीम ने 19.1 ओवर में 3 विकेट पर 165 रन बनाकर मैच को जीत लिया।

वैभव अर्धशतक से चूके, सार्थक ने लगाई हाफ सेंचुरी- नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स के लिए पारी की शुरुआत करने वैभव कांडपाल और कप्तान सार्थक रंजन मैदान पर उतरे। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 70 गेंदों पर 102 रन की शतकीय साझेदारी हुई, लेकिन वैभव 36 गेंदों पर 41 रन बनाकर आउट हो गए और ये साझेदारी टूट गई। वैभव ने अपनी पारी के दौरान 2 छक्के और 3 चौके भी लगाए और वो अपने अर्धशतक के करीब आकर उससे चूक गए।

अश्मिता ने जीता कोरिया मास्टर्स

बैडमिंटन फाइनल में चीन की खिलाड़ी को हराया; एक हफ्ते में भारत का दूसरा BWF खिताब

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी अश्मिता चालिहा ने रविवार को कोरिया मास्टर्स सुपर 300 महिला सिंगल्स का खिताब जीता। 26 साल की अश्मिता ने 53 मिनट चले फाइनल में चीन की चौथी सीड हान कियान शी को हराया। उन्होंने 14-21, 21-14, 21-14 से जीत दर्ज कर अपना पहला BWF वर्ल्ड टूर खिताब जीता। भारत ने लगातार दूसरा BWF वर्ल्ड टूर फाइनल का खिताब अपने नाम किया। इससे पहले तन्वी शर्मा ने 2 अगस्त को ताइपे ओपन जीता था।

पहले गेम में हान ने बनाई बढ़त

अश्मिता ने मैच की शुरुआत में 3-0 की बढ़त बनाई। वे शुरुआती दौर में 9-5 से आगे थीं। इसके बाद हान ने वापसी की और दोनों खिलाड़ी 11-11 की बराबरी पर पहुंच गईं। चीनी खिलाड़ी ने लगातार अंक जुटाकर खेल पर कंट्रोल बनाया। हान ने पहला गेम जीतकर बढ़त हासिल की।

दूसरे गेम में अश्मिता की वापसी

अश्मिता ने दूसरे गेम में आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने स्मैश से हान पर दबाव बनाया और तेज डिफेंसिव रिटर्न से 6-6 के बाद बढ़त बना ली। ब्रेक के समय अश्मिता 11-8 से आगे थीं। इसके बाद भी उन्होंने रैलियों पर नियंत्रण बनाए रखा। हान अंतर कम नहीं कर सकीं और अश्मिता 17-10 से आगे हो गईं। भारतीय खिलाड़ी ने एक और तेज अटैकिंग शॉट के साथ गेम 21-14 से जीतकर मुकाबला बराबर कर दिया।

तीसरे गेम में पिछड़ने के बाद की वापसी

अंतिम गेम की शुरुआत में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला रहा। अश्मिता ने 5-2 की बढ़त बनाई, लेकिन मिड-गेम ब्रेक तक हान 11-9 से आगे निकल गईं। अश्मिता ने वापसी करते हुए लाइन के किनारे शॉट लगाकर 12-11 की बढ़त बनाई। इसके बाद अश्मिता गेम में लगातार आगे रहीं। उन्होंने हान के कोर्ट में खाली जगहों का फायदा उठाया और स्कोर 19-14 कर दिया। हान का रिटर्न बाहर जाने पर अश्मिता को आखिरी पॉइंट मिला। इसके साथ ही उन्होंने चैंपियनशिप अपने नाम की।

2024 में अश्मिता के घुटने की सर्जरी हुई थी

अश्मिता को 2024 में कोरिया ओपन के दौरान दाएं घुटने में मेडियल मेनिस्कस में चोट लगी थी। इसके बाद उनकी सर्जरी हुई और लंबे समय तक रिहैबिलिटेशन किया। वह अगले साल फरवरी में वापस लौटीं और 14 टूर्नामेंट में खेलीं। उन्होंने ड्ढङ्ख्न टूर पर चाइना मास्टर्स और मलेशिया मास्टर्स में लगातार क्वार्टरफाइनल खेले। इसके बाद मकाऊ ओपन में सेमीफाइनल तक पहुंचीं।

सरफराज खान 2 साल बाद भारतीय टीम में शामिल

● चोटिल साई सुदर्शन की जगह मौका मिला, गॉल टेस्ट से पहले टीम से जुड़ेंगे

नई दिल्ली। बैटर सरफराज खान को दो साल बाद टीम इंडिया में जगह मिली है। उन्हें श्रीलंका दौर पर चोटिल साई सुदर्शन की जगह शामिल किया गया। BCCI ने रविवार शाम को इसकी जानकारी दी। भारतीय टीम श्रीलंका के खिलाफ गॉल में 15 अगस्त से पहला टेस्ट खेलेगी। सरफराज ने पिछला टेस्ट 2024 में वानखेड़े स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। वे अब तक 6 टेस्ट मैच ही खेल सके हैं।

- **सुदर्शन की रिकवरी पर अपडेट भी दिया-** ड्ढष्टष्ठ ने साई सुदर्शन की रिकवरी पर अपडेट भी दिया। साई सुदर्शन बेंगलुरु स्थित ड्ढष्टष्ठ सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (ष्टश्व) में रिहैबिलिटेशन कर रहे हैं। वे अच्छी तरह ठीक हो रहे हैं। मेडिकल टीम उनकी रिकवरी पर लगातार नजर बनाए हुए है। साई सुदर्शन को पिछले महीने श्रीलंका-ए के खिलाफ दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट के दौरान पैर के अंगूठे में चोट लगी थी। उन्होंने उसी दौरे पर लगातार दो शतक जड़कर शानदार फॉर्म दिखाई थी।
- **प्लेयर्स की चोटों से जूझ रही है टीम इंडिया-** श्रीलंका दौरे से पहले ही भारतीय टीम कई चोटों से परेशान है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह घुटने की चोट के कारण पूरी टेस्ट सीरीज से बाहर हो चुके हैं।
- वॉशिंगटन सुंदर हैमस्ट्रिंग इंजरी के चलते पहला टेस्ट नहीं खेलेंगे। हर्षित राणा (हैमस्ट्रिंग), नीतीश कुमार रेड्डी (क्वाड्रिसेप्स) और आकाश दीप चोट) भी उपलब्ध नहीं हैं।
- **नेट्स के दौरान टेस्ट कप्तान शुभमन गिल की दाएं हाथ की -** नामिका उंगली में चोट लगी थी। वे एहतियात के तौर पर वॉर्म-अप मैच के शुरुआती 2 दिन खेलने नहीं उतरे। हालांकि, तीसरे दिन वे यशस्वी जायसवाल के साथ ओपन करने उतरे और 44 रन बनाए।

भारत की अपडेटेड टीम

शुभमन गिल (कप्तान), केएल राहुल (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, मानव सुथार, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बरार, देवदत्त पडिक्कल, सारांश जैन, औकिब नबी और सरफराज खान।

'खिलाड़ी मशीन नहीं'

फिट होने में समय लगता है- लक्ष्मण: कहा- इंजरी प्लेयर्स के करियर का हिस्सा, किसी को दोषी नहीं ठहरा सकते

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण ने खिलाड़ियों के धीरे फिट होने में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (ष्टश्व) को दोषी मानने से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि क्रिकेटर मशीन नहीं है। ऐसा नहीं है कि हर बार वे जल्दी चोट से उबर जाएंगे। लक्ष्मण ड्ढष्टष्ठ के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के प्रमुख हैं। उन्होंने रविवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि ष्टश्व और पुरुष-महिला दोनों टीमों के मैनेजमेंट के बीच शानदार तालमेल है। लक्ष्मण का बयान ऐसे टाइम पर आया है, जब देशभर में खिलाड़ियों के चोटिल होने पर सवाल उठ रहे हैं।

लक्ष्मण ने कहा- ष्टश्व सिर्फ रिहैब सेंटर नहीं- लक्ष्मण ने कहा- 'ष्टश्व सिर्फ रिहैब सेंटर नहीं है। क्रिकेटर्स को बेहतर बनाने में इसकी बड़ी भूमिका है। इसलिए चोट के लिए दोष शब्द का इस्तेमाल नहीं करना चाहते, क्योंकि इससे किसी को बलि का बकरा बनाया जाता है।' लक्ष्मण ने कहा कि फिटनेस के नियम कड़े हैं। साथ ही सभी खिलाड़ियों के शरीर का नेचर भी अलग है। इस वजह से कोई खिलाड़ी तय समयसीमा में पूरी तरह फिट नहीं हो पाता। उन्होंने बताया कि चोट का पता होने से लेकर खिलाड़ी के फिट होकर जाने तक उसकी मॉनिटरिंग होती है। इसी के आधार पर उसका वर्कलोड बढ़ाया जाता है।

लक्ष्मण बोले- चोट चिंता की वजह नहीं है

लक्ष्मण ने बड़ी संख्या में खिलाड़ियों के लगातार चोटिल होने पर कहा- 'मुझे नहीं लगता कि यह चिंता का कारण है। जब कोई खिलाड़ी हाई लेवल पर खेलता है, तो उससे 100% से ज्यादा देने की उम्मीद होती है।' उन्होंने कहा- खिलाड़ियों की चोट को देखने का बाहरी दुनिया का नजरिया बदलना चाहिए। ष्टश्व के फिटनेस स्टाफ एड्रियन, निक और कमलेश काम कर रहे हैं।

सीरीज से 3-4 हफ्ते पहले सिलेक्शन मीटिंग होती है

ड्ढष्टष्ठ सचिव देवजीत सैकिया ने सीरीज से पहले टीम का सिलेक्शन प्रोसेस समझाया। उन्होंने कहा कि टीम के रवाना होने से कम से कम 3 से 4 हफ्ते पहले मीटिंग होती है। इसलिए उस समय खिलाड़ी की सही स्थिति पता नहीं होती। इसी वजह से उसके नाम के आगे स्टार लगाया जाता है और स्क्वाड में रखा जाता है।

यशस्वी ने डक पर आउट होने के बाद की शानदार वापसी

श्रीलंका 11 के खिलाफ 2 छक्के 9 चौकों के साथ लगाया अर्धशतक

नई दिल्ली। भारतीय टेस्ट टीम के ओपनर बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल दो मैचों की टेस्ट सीरीज से ठीक पहले लय में आ गए हैं और ये टीम इंडिया के लिए काफी सुखद खबर है। श्रीलंका इलेवन के खिलाफ तीन दिवसीय प्रैक्टिस टेस्ट मैच में यशस्वी जायसवाल पहली पारी में डक पर आउट हो गए थे, लेकिन दूसरी पारी में उन्होंने कमाल की वापसी की और टीम के लिए अर्धशतकीय पारी खेलकर रिटायर आउट हुए।

यशस्वी जायसवाल ने लगाया अर्धशतक- पहली पारी में असफल रहने के बाद यशस्वी ने कमाल की वापसी दूसरी पारी में की और उन्होंने काफी आत्मविश्वास के साथ बल्लेबाजी की।

सिराज ने तीन छक्के लगाकर भारत को जिताया

वॉर्मअप में श्रीलंका को 6 विकेट से हराया; चोट से रिकवर हुए गिल के 44 रन

नई दिल्ली। भारत ने टेस्ट सीरीज से पहले वॉर्मअप मैच में श्रीलंका-11 को 6 विकेट से हरा दिया। मोहम्मद सिराज ने आखिरी ओवर में लगातार तीन छक्के लगाकर टीम इंडिया को जीत दिलाई। रविवार को मैच के आखिरी दिन भारत को जीत के लिए 16 रन चाहिए थे।

ऐसे में सिराज ने केशरा नुवंथा की शुरुआती तीन बॉल पर लगातार तीन छक्के लगाए। उंगली की चोट से लौट रहे कप्तान शुभमन गिल ने 44 रन की पारी खेली। उन्होंने यशस्वी जायसवाल के साथ 105 रन की साझेदारी की। कोलंबो में भारत को 207 रन का टारगेट मिला था। उसने दिन का खेल शुरु होने से पहले ही पहली पारी 357/6 के स्कोर पर घोषित की। श्रीलंका XI ने अपनी दूसरी पारी 200/6 के स्कोर पर घोषित की। श्रीलंका-XI ने पहली पारी में 363/8 का स्कोर बनाया था।

भारत मैच जीतने के बाद भी क्यों खेला?

भारत के मैच जीतने के बाद भी खेल जारी रहा। अंपायर्स ने केशरा नुवंथा का ओवर पूरा कराया। सिराज ने ओवर की बची तीनों गेंद खेलीं। प्रैक्टिस मैच का रिजल्ट सीरीज या टूर्नामेंट की जीत-हार में नहीं जुड़ता। मैच का मकसद खिलाड़ियों को मैदान, पिच के लिहाज से तैयार कराना है। इसमें टीम अपनी प्लेइंग-11 में स्क्वाड में शामिल सभी 15 खिलाड़ियों को खिला सकती है। अगर टीम चाहे तो मैच जीतने के बाद भी वह पूरे तय ओवर तक बैटिंग खेल सकती है।

नेट सेशन के दौरान गिल को चोट लगी थी- वॉर्मअप मैच शुरू होने से एक दिन पहले गुरुवार को ट्रेनिंग के दौरान गिल की उंगली में चोट लगी थी। वे मैच के पहले दो दिन मैदान पर नहीं उतरे थे। उनकी गैरमौजूदगी में ञ्चरु राहुल ने कप्तानी की।